Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 263
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 29 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 मुंबई फिर पानी-पानी.....बीएमसी ने जारी ...

4 यूरोप और अमेरिका में चरम दक्षिणपंथ का...

7 पैरा चैंपियनशिप आइईडी धमाके में पैर...

नवरात्रि का सातवां दिन

मां कालरात्रि

नवरात्रि 2023 के 7वें दिन , भक्त मां कालरात्रि-हिंदू देवी दुर्गा के सातवें रूप की पूजा करते हैं. इस दिन भक्त देवी सरस्वती की पूजा भी करते हैं. नवरात्रि के सातवें दिन नवग्रह की पूजा भी की जाती है। माँ कालरात्रि को नवदुर्गा का सबसे क्रूर अवतार माना जाता है और उन्हें अज्ञानता को नष्ट करने और ब्रह्मांड से अंधकार को दूर करने के लिए जाना जाता है.

मां कालरात्रि पूजा विधि

काल का नाश करने वाली मां कालरात्रि की पूजा मध्यरात्रि(निशिता काल मुहूर्त) में शुभफलदायी मानी गई है. देवी कालरात्रि को कुमकुम का तिलक करें. लाल मौली, गुड़हल या रात रानी के पुष्प चढ़ाए. मां कालरात्रि को गुड़ का प्रसाद अति प्रिय है. 'ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं दुर्गति नाशिन्यै महामायायै स्वाहा।' का यथाशक्ति जाप करें. अंत में कपूर की आरती करें फिर गुड़ के भोग का एक हिस्सा ब्राह्मणों और दूसरा परिवारजनों को बांट दें. कहते हैं इस विधि से मां कालरात्रि की बहुत प्रसन्न होती है और रोग, शोक, शत्रु, भय, और आकस्मिक घटनाओं से साधक की रक्षा करती हैं.

प्रिय रंग - नीला
प्रिय भोग - गुड़

मां कालरात्रि के उपाय

रात्रि के समय लाल रंग के वस्त्र पहनकर मां कालरात्रि के समक्ष दीपक जलाएं. 11 नींबुओं की माला और गुड़हल की फूल की माला पहनाएं . अब 108 बार देवा कालरात्रि के सिद्ध मंत्र 'ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै ऊं कालरात्रि दैव्ये नमः।' का जाप करें. हर मंत्र के बाद एक लौंग देवी को अर्पित करते जाएं. अंत में सभी लौंग अग्नि में डाल दें. मान्यता है इससे दुश्मन शांत होगा और कोर्ट कचहेरी के मामले में स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी. देवी कालरात्रि की उपासना से शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के प्रभाव भी कम होते हैं.

मां कालरात्रि के मंत्र

क्लीं ऐं श्रीं कालिकायै नमः
'ॐ फट् शत्रून साघय घातय ॐ।'
ॐ कालरात्र्यै नमः
एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्त शरीरिणी।।
वामपादोल्लसल्लोह लताकण्टकभूषणा।
वर्धन मूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयङ्करी।।

करूर भगदड़ में 40 मौतें, रिटायर्ड जज अरुणा जगदीशन ने जांच शुरू की

करूर। तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) नेता और अभिनेता विजय की चुनावी रैली में शनिवार शाम मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

राज्य सरकार द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश अरुणा जगदीशन ने इस भीषण हादसे की विस्तृत जांच के लिए रविवार को भगदड़ स्थल का दौरा किया। न्यायाधीश अरुणा जगदीशन ने कहा, 'कमियों को दूर करने के लिए आयोग का गठन किया गया है। भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।'

करूर कलेक्टर ने एडीजीपी (कानून व्यवस्था) एस डेविड्सन देवसिरवथम के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया, 'भगदड़ में अब तक कुल 40 लोगों की मौत हो चुकी है।'

उन्होंने आगे बताया, 'मुख्यमंत्री रात में तुरंत पहुंचे और घायलों के उचित इलाज के आदेश दिए। उन्होंने मृतकों के लिए 10 लाख रुपये और इलाज करा रहे लोगों के लिए 1 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। अस्पताल में एक हेल्प डेस्क खोला गया है... तमिलनाडु सरकार ने और मौतें रोकने के लिए कदम उठाए हैं।'

यह त्रासदी तब हुई जब टीवीके प्रमुख विजय एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे और अचानक भीड़ बेकाबू हो गई, जिससे यह बड़ा हादसा हुआ।

मोहन भागवत ने नागपुर में आरएसएस के पथ संचलन का निरीक्षण किया

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शनिवार को यहां संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में स्वयंसेवकों के वार्षिक पथ संचलन का निरीक्षण किया। आरएसएस की स्थापना केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में नागपुर में की थी। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले भी उपस्थित थे। वैसे तो पारंपरिक रूप से आरएसएस का पथ संचलन विजयादशमी या दशहरा के अवसर पर आयोजित किया जाता है, लेकिन इस वर्ष इसे त्योहार से कई दिन पहले निकाला गया। अलग-अलग पथ संचलन तीन स्थानों(कस्तूरचंद पार्क, यशवंत स्टेडियम और विदर्भ हॉकी ग्राउंड) से शुरू हुए और वेरायटी स्क्वायर पर एकत्रित हुए, जहां भागवत ने मंच से संयुक्त पथसंचलन का निरीक्षण किया।

बिहार विधानसभा चुनाव और उपचुनावों के लिए 470 पर्यवेक्षक तैनात करेगा निर्वाचन आयोग

पटना। निर्वाचन आयोग बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव और सात विधानसभा उपचुनावों के लिए 470 अधिकारियों को अपने पर्यवेक्षकों के रूप में तैनात करेगा। आयोग ने रविवार को एक बयान में कहा कि 470 पर्यवेक्षकों में से 320 आईएएस अधिकारी, 60 आईपीएस और 90 अन्य सेवाओं से हैं। चुनाव के दौरान सामान्य, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों को निगरानी के लिए तैनात किया जाता है। इन पर्यवेक्षकों की एक 'ब्रीफिंग' तीन अक्टूबर को यहां निर्धारित है, जो आयोग द्वारा बिहार में चुनाव तैयारियों की समीक्षा करने के लिए बिहार के दौरे से एक दिन पहले है। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है और नवंबर में चुनाव होने की संभावना है।

पीएम मोदी ने आरएसएस के 'राष्ट्र प्रथम' भाव को सराहा, 100वीं वर्षगांठ से पहले दिया 'स्वदेशी' का मंत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 126वें संस्करण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की निस्वार्थ सेवा और अनुशासन की भावना की खुलकर प्रशंसा की। यह संबोधन विजयादशमी पर आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने से कुछ दिन पहले आया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरएसएस की असली ताकत उसकी त्याग, सेवा और अनुशासन की भावना है, और इसके स्वयंसेवकों के हर काम में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना सर्वोपरि रहती है।

प्रधानमंत्री मोदी, जो स्वयं आरएसएस के प्रचारक रहे हैं, ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को बौद्धिक गुलामी से मुक्त कराने के उद्देश्य से 1925 में विजयादशमी के दिन आरएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि तब से आरएसएस की यात्रा प्रेरणादायक, उल्लेखनीय और अभूतपूर्व रही है।

मोदी ने हेडगेवार के उत्तराधिकारी एम.एस. गोलवलकर की भी प्रशंसा की। उन्होंने गोलवलकर के कथन 'यह मेरा नहीं है, यह राष्ट्र का है' का उल्लेख करते हुए कहा कि इस संदेश ने लाखों स्वयंसेवकों को स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए प्रेरित किया है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदा आने पर आरएसएस के स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचते हैं।

पीएम स्वदेशी और 'वोकल फॉर लोकल' पर जोर दिया

प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और 'वोकल फॉर लोकल' को खरीदारी का मंत्र बनाने पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर खादी का कोई उत्पाद खरीदने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, 'ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे। जिसमें देश के किसी नागरिक की मेहनत है, उसी सामान का उपयोग करेंगे।' उन्होंने समझाया कि जब हम ऐसा करते हैं, तो हम किसी परिवार की उम्मीदों को जगाते हैं, कारीगर की मेहनत को सम्मान देते हैं, और युवा उद्यमी के सपनों को पंख देते हैं।

राहुल गांधी बोले- भाजपा-आरएसएस के निशाने पर है लद्दाख के लोग और संस्कृति

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि लद्दाख के लोगों की संस्कृति और परंपराओं पर भाजपा और आरएसएस हमला कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों के मारे जाने को 'हत्या' करार देते हुए कहा कि सोच समझकर लद्दाख की संस्कृति, परंपरा और वहां के लोगों की 'हत्या' की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों की आवाज दबाई जा रही है इसलिए ही सोनम वांग्चुक को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है।

भाजपा-आरएसएस के निशाने पर है लद्दाख : राहुल

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि लद्दाख के अद्भुत लोग, उनकी संस्कृति और परंपराएं भाजपा और आरएसएस के हमले की चपेट में हैं। लद्दाख के लोगों ने अपनी आवाज उठाई। भाजपा ने जवाब में चार युवाओं को गोली मार दी और सोनम वांगचुक को जेल में डाल दिया। हत्या बंद करो, हिंसा बंद करो, डराना-धमकाना बंद करो। उन्होंने आगे कहा, लद्दाख को आवाज दो। उन्हें छठी अनुसूची में शामिल किया जाए।

उनकी यह टिप्पणी पिछले दिनों लेह में हुई हिंसा के बाद आई है। जिसमें सुरक्षा बलों की गोलीबारी में चार लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे। दंगों में कथित संलिप्तता के आरोप में अब तक 50 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है।

अधिकारियों ने बताया कि हिंसा प्रभावित लेह में रविवार को लगातार पांचवें दिन कर्फ्यू लागू रहा। उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता प्रतिबंधों में ढील देने पर फैसला लेने के लिए सुरक्षा समीक्षा बैठक करने वाले हैं। राज्य का दर्जा और लद्दाख में छठी अनुसूची के विस्तार के मुद्दे पर केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान बुधवार को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। शनिवार को लेह में चार घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई।

जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के केरन सेक्टर में सुरक्षा बलों ने रविवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सैनिकों ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में

नियंत्रण रेखा पर संदिग्ध गतिविधियां देखने के बाद घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की।

उन्होंने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में दो घुसपैठिये मारे गये। हालांकि, उनके शव अभी तक बरामद नहीं हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

'आत्मसमर्पण करें नक्सली, नहीं चलेगी एक भी गोली', अमित शाह ने ठुकराया संघर्ष विराम प्रस्ताव

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को भारत में नक्सल को खत्म करने के अपने संकल्प को दोहराया। साथ ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ भारत सरकार की सख्त नीति पर जोर दिया। शाह ने साफ शब्दों में कहा कि सरकार नक्सलियों के सीजफायर प्रस्ताव को खारिज करती है। उन्होंने कहा कि अगर नक्सली आत्मसमर्पण करना चाहते हैं तो उनका स्वागत है, लेकिन कोई सीजफायर नहीं होगा।

अमित शाह ने कहा कि हाल ही में एक पत्र लिखकर भ्रम फैलाने की कोशिश की गई कि अब तक जो हुआ वह गलती थी और अब सीजफायर कर आत्मसमर्पण किया जाएगा। शाह ने कहा कि मैं साफ कहना चाहता हूं कि कोई सीजफायर नहीं होगा। अगर आत्मसमर्पण करना है तो हथियार डाल दें, एक भी गोली नहीं चलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वालों के लिए लाल कालीन बिछा है।

वामपंथी दलों को भी लिया आड़े हाथ

बता दें कि शाह 'नक्सल मुक्त भारत' विषय पर आयोजित एक सेमिनार के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने वामपंथी दलों को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि उन्होंने

नक्सलवाद को वैचारिक समर्थन दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलवाद विकास की कमी से नहीं, बल्कि 'लाल आतंक' के कारण फैला, जिसकी वजह से कई क्षेत्रों में दशकों तक विकास नहीं पहुंच पाया।

नक्सल मुक्त भारत का लक्ष्य पर जोर

शाह ने कहा कि भारत 31 मार्च 2026 तक भारत नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। उन्होंने बताया कि नक्सलवाद की समस्या केवल हथियारबंद लड़ाई तक सीमित नहीं है। यह समस्या समाज में बनी विचारधारा और उसे मिलने वाले समर्थन से जुड़ी है।

शाह ने नक्सलवाद के विचार के हमले करने की सरकार की योजना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग सोचते हैं कि नक्सलवाद की समस्या हथियारबंद गतिविधियों के खत्म होते ही खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं है। नक्सलवाद क्यों पैदा हुआ, कैसे बढ़ा और विकसित हुआ?

अमित शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि नक्सलवाद के पीछे कौन लोग हैं जिन्होंने विचारधारा, कानूनी और वित्तीय मदद दी? जब तक भारतीय समाज इस बात को समझेगा नहीं, तब तक नक्सलवाद से लड़ाई खत्म नहीं होगी। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में समाज की सोच और उससे जुड़े लोगों को समझना जरूरी है।

हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता: भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को संबोधित कर रहे थे।

शर्मा ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान से ही देश-प्रदेश का विकास होगा। हमारी प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र व्यक्ति केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे।"

आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "हम सभी आस-पास के लोगों को चिन्हित करते हुए उन्हें योजनाओं से जोड़ें तथा सेवा पखवाड़ा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।"

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से सांगानेर के विकास कार्यों को धरातल पर मूर्तरूप मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में नवरात्र के अवसर पर 29 सितंबर को सांगानेर क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया जाएगा।

तेजस्वी ने नीतीश की हालिया घोषणाओं पर उठाए सवाल

कहा-सरकार बताए कहां से आएगी इनके लिए राशि

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार की बजट तथा हालिया घोषणाओं पर गंभीर सवाल उठाते हुए रविवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता को "गुमराह" कर रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने राजद कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दावा किया, "पिछले कुछ समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुल मिलाकर 7.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक की घोषणाएं कर चुके हैं, जबकि राज्य की वित्तीय स्थिति इतनी बड़ी योजनाओं को संभालने में सक्षम नहीं है।"

उन्होंने दावा किया, "बिहार का कुल बजट लगभग 3.16 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से करीब दो लाख करोड़ रुपये वेतन, पेंशन और ब्याज जैसे प्रतिबद्ध मद में ही खर्च हो जाते हैं। इससे सरकार के पास योजनाओं और विकास कार्यों के लिए केवल लगभग 1.16 लाख करोड़ रुपये बचते हैं। ऐसे में ये घोषणाएं केवल जनता को

भ्रमित करने और चुनावी माहौल बनाने का तरीका हैं।"

नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया, "आखिर राज्य का राजस्व कैसे बढ़ेगा, राशि कहां से आएगी और घोषणाएं धरातल पर कब पूरी होंगी।" तेजस्वी ने महिलाओं को 10 हजार रुपये की राशि देने की राज्य सरकार की योजना पर भी सवाल उठाया। उन्होंने तंज कसा कि नीतीश कुमार "एक रुपया देकर बिहार का वर्तमान और भविष्य खरीदना चाहते हैं, लेकिन इस बार जनता उन्हें हटाएगी भी और हराएगी भी।"

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए यादव ने आरोप लगाया, "राज्य में इंजीनियरों के यहां से करोड़ों रुपये बरामद होते हैं, लेकिन सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती क्योंकि यह राशि ऊपर तक पहुंचती है।"

उन्होंने कहा, "उन्हें (मुख्यमंत्री को) जनता और विपक्ष के सवालों का जवाब देना चाहिए।" नीतीश कुमार पर सीधे तौर पर निशाना साधते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, "पहले हम उन्हें 'भीष्म पितामह' मानते थे, लेकिन अब वह भ्रष्टाचार के 'धृतराष्ट्र' बन चुके हैं।

तमिलनाडु भगदड़: आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और जगन ने पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने तमिलनाडु के करूर में भगदड़ में जान गंवाने वालों के प्रति शोक व्यक्त किया।

नायडू ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट में कहा, करूर में जान-माल की हानि को लेकर बहुत दुखी हूं। मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के लिए प्रार्थना करता हूं। अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलनाडु के करूर में रैली के दौरान 40 लोगों की जान गई जिनमें महिला, पुरुष और बच्चे शामिल थे।

रेड्डी ने घटना को को बेहद दर्दनाक त्रासदी बताया है। रेड्डी ने शनिवार देर रात जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "मेरी प्रार्थनाएं उन शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं जो अकल्पनीय दुःख से गुजर रहे हैं। मैं इस कठिन समय में उनके साथ हूं।

नवी मुंबई नगर निगम की व्यवस्था बारिश के रेड अलर्ट के मद्देनज़र अलर्ट पर-नवी मुंबई में स्थिति स्थिर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त सलाह के अनुसार, ठाणे जिले के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है। इस पृष्ठभूमि में, भारी बारिश की संभावना जताई गई है और इसके अनुसार, नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने मुख्यालय सहित सभी विभागों के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठों को रात में अलर्ट रहने और सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बचाव एवं राहत कार्यों के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। तदनुसार, नवी मुंबई नगर निगम द्वारा सतर्कता बरतते हुए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

भारी बारिश की संभावना के मद्देनज़र, नागरिकों को किसी भी परिस्थिति में घबराना नहीं चाहिए और अफवाहों पर ध्यान दिए बिना सरकार व प्रशासन के निर्देशों का पालन करना चाहिए। नागरिकों से अपील करते हुए, सुरक्षित स्थानों पर रहने, पुरानी या खतरनाक इमारतों में रहने वालों को विशेष सावधानी बरतने और ज़रूरत पड़ने पर ही अपने घरों से बाहर निकलने की भी अपील की गई है।

नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र में 27 सितंबर सुबह 8.30 बजे से 28 सितंबर सुबह 8.30 बजे तक औसतन 78.20 मिमी बारिश दर्ज की गई। और आज, 28 सितंबर 2025 को सुबह 8.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक दिन में औसतन 65.56 मिमी बारिश दर्ज की गई है। (बेलापुर - 80.40 मिमी, नेरुल - 80.20 मिमी, वाशी - 41.60 मिमी, कोपरखैरणे - 64.00 मिमी, ऐरोली - 63.40 मिमी, दीघा - 63.80 मिमी, इस प्रकार औसत वर्षा 65.56 मिमी है)।

भारतीय मौसम विभाग द्वारा ठाणे जिले के लिए जारी रेड अलर्ट के अनुसार, नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने पूरे नगर निगम तंत्र को सतर्क रहने का निर्देश दिया था। तदनुसार, अपर आयुक्त सहित सभी विभागों के संपर्क अधिकारी, दोनों मंडलों के उपायुक्त, सभी आठ विभागों के सहायक आयुक्त और संभागीय अधिकारी तथा कार्यपालक अभियंता, विभाग के आपातकालीन कक्ष के कर्मचारी तथा स्वच्छता निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में राहत कार्य हेतु तत्पर हो गए। अपर आयुक्त श्री सुनील पवार ने जलभराव की संभावना वाले निचले इलाकों का दौरा किया, वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बुनियादी सुझाव दिए और उनके क्रियान्वयन की निरंतर समीक्षा की।

नगर निगम के केंद्रीय नियंत्रण कक्ष और संभाग कार्यालय के नियंत्रण कक्ष को प्राप्त जानकारी के अनुसार, अग्निशमन विभाग और आपातकालीन राहत दल ने वाशी में सेक्टर 17, सेक्टर 9 और सेक्टर 5, तथा बेलापुर में सेक्टर 25, ऐसे 4 स्थानों पर जाकर यातायात में आई बाधा को हटाया। कोपरखैरणे सेक्टर 19 में रंजन देवी मंदिर के बगल में शंकर म्हात्रे अपार्टमेंट की पाँचवीं मंजिल पर सुरक्षा गार्ड के कमरे में आग लगने की सूचना मिलने के बाद, वहाँ आवश्यक राहत कार्य किया गया। इसी तरह, अगरोली गाँव में सुनील रेस्टोरेंट के पास स्थित इमारत की सुरक्षा दीवार का एक हिस्सा गिर गया था, जहाँ एनएमएमपीए की दमकल ने तुरंत राहत कार्य भी चलाया। कहीं भी कोई नुकसान नहीं हुआ।

ठाणे जिले में 28 सितंबर को 'रेड अलर्ट' जारी है और गरज और तेज़ हवाओं के साथ भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 29 सितंबर को 'ऑरेंज अलर्ट' और 30 सितंबर को 'येलो अलर्ट' घोषित किया गया है। हालाँकि, आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने नागरिकों से अपील की है कि वे ज़रूरी काम के अलावा अपने घरों से बाहर न निकलें।

सभी आठ विभागीय कार्यालय क्षेत्रों में नगर निगम की सभी प्रणालियाँ पूरी तत्परता से काम कर रही हैं। नागरिकों को ध्यान रखना चाहिए कि नवी मुंबई महानगरपालिका की पूरी व्यवस्था मानसून के मौसम में राहत कार्य के लिए तैयार है और किसी भी आपातकालीन स्थिति में, उनसे आग्रह किया जाता है कि वे मदद के लिए अपने निकटतम महानगरपालिका प्रभागीय कार्यालय के आपदा प्रतिक्रिया कक्ष या मुख्यालय में केंद्रीय आपातकालीन नियंत्रण केंद्र से 022 - 27567060 / 27567061 या टोल फ्री नंबर 1800222309 / 1800222310 पर संपर्क करें।

पालघर में बिजली गिरने से छह लोग घायल, कई मकान क्षतिग्रस्त

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में बिजली गिरने की दो घटनाओं में छह व्यक्ति घायल हो गए और कुछ घरों को नुकसान भी पहुंचा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। बिजली गिरने की घटना पालघर जिले के जौहर तहसील के कई हिस्सों में शनिवार को हुई।

जिला आपदा प्रबंधन केन्द्र के अधिकारी विवेकानंद कदम ने बताया कि जौहर के तहसीलदार द्वारा मिली जानकारी के अनुसार धनवा गांव में रात करीब साढ़े दस बजे बिजली गिरने की घटना में एक घर क्षतिग्रस्त हो गया और परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए।

उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। उन्होंने बताया कि

बिजली गिरने की दूसरी घटना जौहर तहसील के धधारी गांव में हुई।

इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया और उसका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तेज हवाओं और बारिश के समय गांव के लोगों को जरूरी सावधानियां बरतनी चाहिए और खुले खेतों और पेड़ के नीचे रहने से बचना चाहिए।

मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने मुंबई मंडल में ऑप्टिकल ग्राउंड वायर सिस्टम का उद्घाटन किया

मध्य रेलवे ने सुरक्षित रेल संचालन के लिए संचार प्रणालियों को उन्नत करने हेतु नई तकनीक पेश की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

धर्मवीर मीणा ने 28.09.2025 को आसनगांव के निकट 110 केवी उत्तर-पूर्व ट्रांसमिशन लाइन पर ऑप्टिकल वायर सिस्टम का उद्घाटन किया

ऑप्टिकल ग्राउंड वायर, मध्य रेलवे पर शुरू की गई एक नई तकनीक है जिसका उद्देश्य सुरक्षित रेल संचालन के लिए संचार प्रणालियों को उन्नत करना है। इससे कार्यों की बेहतर निगरानी और कार्यान्वयन भी संभव होगा।

यह भारत के डिजिटल परिवर्तन की गति को बढ़ाने की एक अग्रणी पहल है।

उद्घाटन के दौरान प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर अनूप कुमार अग्रवाल, मुंबई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक हिरेश मीना, प्रमुख विभागाध्यक्ष और मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

रेलवे बोर्ड द्वारा सभी ज़ोनों को रेलवे ट्रैक के दोनों ओर दो ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) बिछाने के निर्देशों का पालन करते हुए, मध्य रेलवे ने भूमिगत ओएफसी की चुनौतियों से निपटने और संचार पथ की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए विद्युतीकृत खंडों में एरियल अर्थ कंडक्टर (एईसी) के रूप में 96एफ ऑप्टिकल ग्राउंड वायर (ओपीजीडब्ल्यू) के उपयोग का प्रस्ताव रखा है।

ट्रैक के साथ ओएचई मास्ट/पोर्टल में एईसी के रूप में ओपीजीडब्ल्यू के उपयोग से मध्य रेलवे में कवच, स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस), एलटीई-4जी (रेल संचालन के लिए उच्च गति वाला वायरलेस नेटवर्क), इंटरनेट प्रोटोकॉल मल्टी-प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग (आईपीएमपीएलएस-कुशल संचार आधार प्रदान करने वाली आधुनिक नेटवर्किंग तकनीक) आदि जैसे कार्यों के लिए आधार प्रदान करने के त्वरित निष्पादन में मदद मिलेगी क्योंकि इसकी स्थापना प्रक्रिया भूमिगत ओएफसी बिछाने की तुलना में अपेक्षाकृत तेज़ है।

96एफ ऑप्टिकल ग्राउंड वायर (ओपीजीडब्ल्यू) की विशेषताएँः

मध्य रेलवे ने रेलवे में शुरू की जा रही इस नई तकनीक का बीड़ा उठाया है।

ओएफसीङ की तरह एक फाइबर के बजाय रेलवे ट्रैक के दोनों ओर दो-दो फाइबर लगाए जाएँगे।

फाइबर को बिजली लाइनों के अंदर रखा जाएगा जिससे यह अधिक सुरक्षित और संरक्षित हो जाएगा।

इससे रूट विविधता संभव होगी और ओएचई परिसंपत्तियों का इष्टतम पूंजीकरण सुनिश्चित होगा जिससे लागत कम होगी।

चूँकि फाइबर हवाई होते हैं, इसलिए रखरखाव अपेक्षाकृत आसान होता है। इसमें अच्छी कमाई की संभावना है क्योंकि इस तकनीक का आंतरिक उपयोग करने के अलावा इसे अन्य एजेंसियों को पट्टे पर भी दिया जा सकता है जिससे अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करने में मदद मिलेगी।

मध्य रेलवे ने मुंबई मंडल पर कवच के सफल लोको ट्रायल के साथ इतिहास रचा

मध्य रेलवे ने सभी 5 मंडलों में कार्य आवंटित होने के 6 महीने के भीतर कवच को चालू करने के लिए लोको ट्रायल पूरे किए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेलवे के महाप्रबंधक धर्मवीर मीणा ने 28.09.2025 को मुंबई मंडल में स्वदेशी 'कवच' प्रणाली के सफल लोको ट्रायल का नेतृत्व किया।

यह सफल ट्रायल मुंबई मंडल के पनवेल-रोहा खंड के सोमटने, आप्टा और जीते स्टेशनों पर किया गया। इसके साथ ही, मध्य रेलवे पहला क्षेत्रीय रेलवे बन गया है जिसने कवच कार्य के लिए निविदा आवंटित होने के छह महीने के भीतर अपने सभी मंडलों में लोको ट्रायल किया है। इस वर्ष की शुरुआत में, मध्य रेलवे अपने पाँच मंडलों (मुंबई, भुसावल, नागपुर, पुणे और सोलापुर) में फैले लगभग 4000 रूट किलोमीटर के पूरे रेल नेटवर्क पर कवच के प्रावधान हेतु निविदाएँ प्रदान करने वाला पहला क्षेत्रीय रेलवे बन गया था।

मार्च 2025 में मध्य रेलवे के सभी पाँच मंडलों पर कवच कार्यों के लिए निविदाएँ प्रदान करने के बाद, मध्य रेलवे के महाप्रबंधक धर्मवीर मीणा के नेतृत्व में कवच कार्यान्वयन का कार्य मिशन मोड में शुरू किया गया। संपूर्ण रेलवे के लिए विस्तृत रेडियो और लिडार आधारित सर्वेक्षण किया गया, तकनीकी योजनाओं और योजनाओं को शीघ्रता से अनुमोदित किया गया और उपकरणों का निरीक्षण और आपूर्ति शुरू की गई। प्रत्येक मंडल में तीन प्राथमिकता वाले स्टेशनों की पहचान की गई जहाँ व्यापक कारखाना और साइट स्वीकृति परीक्षण के बाद स्थिर कवच प्रणालियाँ स्थापित की गईं। इसके अतिरिक्त, भुसावल और कल्याण लोको शेड में इंजनों पर ऑनबोर्ड-कवच लगाने का कार्य भी शुरू किया गया। साथ ही, सभी पाँच मंडलों में परीक्षण, नेटवर्क निगरानी और प्रशिक्षण सुविधाओं की स्थापना का भी कार्य शुरू किया गया। इस नए क्षेत्र में मूलभूत दक्षता विकसित करने के लिए, मध्य रेल के लगभग 3000 अधिकारियों और कर्मचारियों को अब तक कवच कार्यान्वयन और संचालन में प्रशिक्षित किया जा चुका है।

04.09.2025 को, महाप्रबंधक द्वारा भुसावल में एकीकृत कवच नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन किया गया और दुशखेड़ा स्टेशन पर कवच स्थापना का निरीक्षण किया गया। 19.09.2025 को भुसावल मंडल के दुशखेड़ा, सावदा और निम्भोरा स्टेशनों पर कवच के लोको परीक्षण शुरू किए गए।

मध्य रेल पर सबसे पहला लोको परीक्षण 10.09.2025 को सोलापुर मंडल के बलवानी-केम-धवलास खंड में शुरू किया गया। 14.09.2025 को, श्री धर्मवीर मीणा ने स्वयं इस खंड में लोको परीक्षण सफलतापूर्वक किए और कवच स्थापनाओं का निरीक्षण किया।

उसी दिन कुरुदवाड़ी में कवच सिमुलेशन प्रयोगशाला और प्रशिक्षण सुविधा का उद्घाटन भी उनके द्वारा किया गया।

पुणे मंडल के बेलापुर-राहुरी-पधेगांव खंड और नागपुर मंडल के पलाचुरी-इकलेहरा-परासिया खंड में स्टेशनरी कवच ??की स्थापना और लोको परीक्षण भी किए गए हैं।

मनिंदर सिंह उप्पल, प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, मध्य रेलवे, श्याम सुंदर गुप्ता, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक, हिरेश मीना, मंडल रेल प्रबंधक, मुंबई मंडल, प्रमुख विभागाध्यक्ष और मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी परीक्षण के दौरान उपस्थित थे।

कवच पर संक्षिप्त जानकारी

कवच प्रणाली भारतीय रेलवे की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य सुरक्षा बढ़ाना है।

यह एक स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है जो ट्रेन चालक दल द्वारा ट्रेन को रोकने में विफल रहने की स्थिति में आमने-सामने और पीछे से होने वाली टक्करों सहित टकरावों को रोक सकती है।

जयंत पाटिल का राज्यपाल को पत्र, किसानों के मुद्दे पर विशेष विधानसभा सत्र बुलाने की मांग की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत से राज्य में भारी बारिश और बाढ़ से हुए व्यापक नुकसान पर चर्चा के लिए तीन दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र बुलाने की मांग की है। राज्यपाल को लिखे पत्र में पाटिल ने कहा कि इस साल राज्य में बारिश से भारी तबाही हुई है और पिछले हफ्ते में बारिश की तीव्रता और बढ़ गई है।

पत्र में उन्होंने लिखा, 'नदियां और नाले उफान पर हैं। खेत की मिट्टी कीचड़ में बदल गई है। जानवर मर गए हैं। कई लोग बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे हुए हैं और कई अपनी जान गंवा चुके हैं। राज्य में अफरातफरी मची हुई है।' बाढ़ प्रभावित गांवों का हाल जानने के लिए दौरे कर रहे पाटिल ने कहा कि किसानों को अभूतपूर्व संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं, बल्कि कई जगह उपजाऊ जमीन भी बह गई है। नुकसान इतना बड़ा है कि एक साल की मेहनत भी किसानों के काम नहीं आएगी। पाटिल ने मांग की कि संकट के इस समय में सरकार को ठोस मदद देनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं दिख रहा है। इसलिए महाराष्ट्र विधानसभा का तीन दिन का विशेष सत्र बुलाकर स्थिति पर विस्तार से चर्चा कर तुरंत निर्णय लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को बिना देरी बाढ़ प्रभावित भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए राहत अनुदान घोषित करना चाहिए। एक एक्स पोस्ट में पाटिल ने कहा कि उन्होंने पिछले दो दिनों में सोलापुर, धाराशिव और बीड़ जिलों के कई बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया, जहां भूमिहीन कृषि मजदूरों को भारी नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा, राज्य सरकार को तुरंत नुकसान का आकलन करना चाहिए और प्रभावितों को वित्तीय सहायता देनी चाहिए। भूमिहीन परिवार पूरी तरह से आजीविका से वंचित हो गए हैं। पिछले महीने भी बारिश के कारण नुकसान हुआ था और आने वाले हफ्तों में रोजगार के आसार कम हैं, इसलिए बिना देर किए पर्याप्त राहत अनुदान या भत्ता घोषित करना जरूरी है। शरद पवार गुट के नेता ने आगे कहा कि सरकार को किसानों, मजदूरों और आम जनता की मुश्किलों को गंभीरता से लेना चाहिए और समय पर सहायता के लिए जरूरी कदम उठाने चाहिए।

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

बांधकाम विभाग

ई-निविदा सुचना क्र.८९ सन २०२५-२६

खालील काम करण्यासाठी सक्षम व अनुभवी ठेकेदारांकडून ई-निविदा मागविण्यांत येत आहे.

अ.क्र.	अंदाजित खर्च/निविदा फॉर्म फी/कामाचे स्वरुप	अंदाजपत्रकीय रक्कम	निविदा विक्री व स्विकारण्याची अंतिम दिनांक
१	प्रभाग क्र.१८ नारपोली येथील रमाकांत यादरव घराजवळ गटार पाथवेज बनविणे. (आमदारांचा स्थानिक विकास कार्यक्रम निधी सन २०२५-२६)	४,९९,७०८/-	दिनांक :-२९/०९/२०२५ दिनांक :-०६/१०/२०२५
२	प्रभाग क्र. १८ सोमानगर येथील आझाद मैदान परिसर येथे पाथवेज व गटार बनविणे. (आमदारांचा स्थानिक विकास कार्यक्रम निधी सन २०२५-२६)	९,९९,६१८/-	
	प्रभाग क्र.१८ मधील जुना ठाणारोड पायल टॉकीज जवळील गटार फर्निचर येथे गटार बनविणे. (आमदारांचा स्थानिक विकास कार्यक्रम ऽनिधी सन २०२५-२६)	९,९९,६६५/-	

सदर निविदा बाबतची माहिती www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर दि.२९/०६/२०२५ ते दि.०६/१०/२०२५ रोजी पर्यंत उपलब्ध आहेत. ऑनलाईन निविदा संकेतस्थाळावर दि.०६/१०/२०२५ रोजी दु.३.०० वाजे पर्यंत स्विकारण्यात येतील.

XXX

जा.क्र./ज.सं.वि./१०८७
दि. २६/०९/२०२५

शहर अभियंता
भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

दहल उठा महाराष्ट्र! बेटे की चिकन खाने की जिद पर मां ने ले ली जान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

माँ का प्यार सबसे पवित्र और अथाह सागर माना जाता है। कहते हैं माँ के प्यार की तुलना किसी भी चीज़ से नहीं की जा सकती। एक माँ अपनी जान जोखिम में डाल देती है ताकि उसके बच्चे का जीवन सुंदर हो सके। आपने कई ऐसी माँओं के उदाहरण देखे होंगे जो अपने बच्चों के लिए जान देने को तैयार रहती हैं। लेकिन अब एक अजीबोगरीब और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। इस मामले ने सभी को हैरान कर दिया है। यह

दुर्भाग्यपूर्ण घटना पालघर जिले के धनसार काशीपाड़ा में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक महिला ने अपने दो बच्चों की बेरहमी से पिटाई की है। इस पिटाई में सात साल के एक बच्चे की मौत हो गई है। जबकि दूसरी दस साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल है। इस पिटाई में सात साल के एक लड़के की मौत हो गई। जबकि दस साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज चल रहा है। इस मामले की आरोपी मां पल्लवी धोमड़े को पालघर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। पता चला है कि ये दोनों छोटे बच्चे खाने के लिए चिकन मांग रहे थे। चिकन खाने की ज़िद पर आरोपी महिला को गुस्सा आ गया। इसी गुस्से में उसने अपने सात साल के बेटे और दस साल की बेटी की पीट-पीटकर हत्या कर दी।

मुंबई फिर पानी-पानी.....बीएमसी ने जारी किया रेड अलर्ट, हर हालात पर बीएमसी की नजर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई में हो रही लगातार भारी बारिश की वजह से एक बार फिर लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं. लोगों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लगाकार हो रही बारिश के वजह से सड़कों पर पानी भर गया है. कई सड़कों पर यातायात प्रभावित हुआ है. लोगों से अपील की गई है कि अनावश्यक घरों से निकलने से बचे. घरों में रहे और सुरक्षित रहे. वहीं माना जा रहा है कि भारी बारिश का सिलसिला जारी रहा तो कई सड़कें जल मग्न हो जाएगी जिससे लोगों को परेशानी हो सकती है. बारिश की वजह से बीएमसी की सभी टीमें अलर्ट है. वहीं कोकण, पालघर, ठाणे और रायगढ़ जिलों में बारिश का रेड अलर्ट घोषित किया है.

बीएमसी के मुताबिक, सभी टीमों को अलर्ट रखा गया है. सभी इलाकों में नजर रखी जा रही है. कहीं जलजमाव की स्थिति बनती है तो तुरंत निदान किया जाएगा. आम लोगों को ध्यान में रखते हुए टीमें काम कर रही हैं. भारी बारिश परेशानी तो हो रही है लेकिन कोशिश है कि लोगों को किसी ना किसी तरह से इस परेशानी से बचाया जा सके. जल निकासी के लिए जल निकासी विभाग ने पंपों को 24 घंटे चालू रखा है.

बीएमसी की टीमें अलर्ट

बारिश के बीच बीएमसी की तरफ से कहा गया कि फिलहाल अभी कहीं जलजमाव की स्थिति बनती नजर नहीं आ रही है, अगर ऐसा कुछ होता है तो हम उसके लिए तैयार हैं. सभी इलाकों में नजर रखी जा रही है, खासकर निचले इलाकों और अंडरपास वाली जगहों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. यदि जलजमाव की स्थिति बनती है तो यातायात प्रभावित होगा. लेकिन अभी ऐसी कोई स्थिति नहीं बनी है, यायायात सुचारू रूप से चाल रहा है.

जल निकासी पंप 24 घंटे चालू

मुंबई में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए महानगरपालिका की सभी टीमें सक्रिय हैं. भारी बारिश से शहर और उपनगरों के कुछ निचले इलाकों में पानी भरने की आशंका को ध्यान में रखते हुए वर्षा जल निकासी विभाग ने पंपों को 24 घंटे चालू रखा है. ताकि पानी का तुरंत निकास किया जा सके. हिंदमाता, गांधी मार्केट, चुनाभट्टी, मालाड अंडरपास, दहिसर अंडरपास और मानखुर्द अंडरपास जैसे इलाकों में यातायात फिलहाल सुचारु है. नगरपालिका ने जानकारी दी है कि सड़क और रेल यातायात सामान्य रूप से जारी है.

मौसम विभाग ने कोकण, पालघर, ठाणे और रायगढ़ जिलों में बारिश का रेड अलर्ट घोषित किया है. उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिए सतर्क रहने के निर्देश हैं. सभी जिलाधिकारी, विभागीय अधिकारियों के साथ तत्काल बैठक की है.

डिप्टी सीएम शिंदे ने दिए ये निर्देश

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगड जिलों में लगातार हो रही बारिश और अगले 24 घंटों के लिए जारी रेड अलर्ट के मद्देनजर राहत और बचाव को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं. शिंदे ने कहा कि प्रशासन को मानव और पशु हानि टालने को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए. उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में बारिश का पानी घरों में घुस सकता है, वहां पहले से नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए. इसके लिए नगर पालिकाओं की स्कूलों में शरण स्थलों की तैयारी करने और भोजन व पानी की व्यवस्था रखने के आदेश दिए गए.

भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर बोले संजय राउत

'चाहे बॉर्डर पर खून की नदियां बहें, लेकिन हम...

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

एशिया कप 2025 के फाइनल मैच में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला है. शिवसेना सांसद संजय राउत ने इसे लेकर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने एक बार फिर कहा कि जिस तरह 26 महिलाओं का सिंदूर मिटाया गया, उसके लिए हमने ऑपरेशन सिंदूर चलाया. इसके बावजूद, अगर हम उस देश के साथ क्रिकेट खेलते हैं, तो राष्ट्रवाद कहां गया? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चाहे बॉर्डर पर खून की नदियां बहे, हम क्रिकेट खेलेंगे और पैसा कमाएंगे.

उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने कहा, 'यह कोई बड़ा मैच नहीं है. ऐसे माहौल में भारत और पाकिस्तान का मैच खेलना बहुत ही घटिया बात है. खेल, खेल है. राजनीति, राजनीति है और धर्म, धर्म है. सब अलग-अलग बातें जरूर है, लेकिन ये सभी बातें पाकिस्तान के साथ ही क्यों जोड़ी जाती हैं. पाकिस्तान के साथ हिंदुस्तान के रिश्ते सुधरे भी हैं, बिगड़े भी हैं. लेकिन जब बात आतंकवाद की आती है तो मुझे लगता है कि भारत के लोग पाकिस्तान से कोई भी रिश्ते रखने की इच्छा नहीं रखते हैं.''

'कड़वाहट के बावजूद क्रिकेट खेलेंगे तो राष्ट्रवाद कहां है'

उन्होंने आतंकी घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा, ''खासकर पुलवामा की घटना, उससे पहले उरी हो गया. अब पहलगाम में घटना के बाद जिस तरह से निरपराध लोगों को मारा गया, जिस तरह 26 महिलाओं का सिंदूर मिटाया गया, उसके लिए हमने ऑपरेशन सिंदूर चलाया. दोनों देशों के बीच इतनी कड़वाहट होने के बावजूद, अगर हम उस देश के साथ क्रिकेट खेलेंगे, तो राष्ट्रवाद कहां गया? कहां गया बीजेपी का हिंदुत्व? कहां गई उनकी राष्ट्रभक्ति? फिर ये सब झूठा है.''

पैसे का बहुत बड़ा खेल है- संजय राउत

संजय राउत ने सवाल किया, ''अगर पाकिस्तान के साथ क्रिकेट नहीं खेलते तो क्या आकाश फट जाएगा? क्या होगा, कुछ नहीं होगा, लेकिन यहां पैसे का बहुत बड़ा खेल है, सट्टा. बीसीसीआई और पीसीसीआई दोनों को उससे बहुत पैसा मिलता है. दोनों की मिलीभगत होती है. चाहे बॉर्डर पर खून की नदियां बहे, हम क्रिकेट खेलेंगे और पैसा कमाएंगे. लेकिन इस बार देश की भावना बहुत ही प्रखर है. लोग अपने टीवी पर भी ये मैच नहीं देखना चाहते हैं. अगर बड़े स्क्रीन पर या रेस्टोरेंट में दिखाएंगे तो उनके खिलाफ ही नारेबाजी करेंगे. ये सच है.''

पीवीआर में मैच दिखाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि ये निर्लज्जता है. उन्होंने कहा कि पीवीआर में जो इन्है वो पाकिस्तान का है क्या? ये हमने सवाल किया. हमारे लोग उनके मैनेजमेंट से जाकर मिले और कहा कि ये मत कीजिए नहीं तो गड़बड़ हो जाएगी. अब मेरे पास जानकारी आई है कि पीवीआर वाले ये मैच नहीं दिखाएंगे. पूरे देश में कहीं भी लोग ये मैच नहीं देखेंगे.

पालघर जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी, प्रशासन का फैसला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

इस समय महाराष्ट्र में बारिश से हाहाकार मचा हुआ है। मराठवाड़ा समेत पूरे राज्य में बारिश का प्रकोप बढ़ गया है। भारी बारिश के कारण कई जगहों पर पूरी फसल पानी में डूब गई है। आगामी खरीफ सीजन बाढ़ के पानी में बह गया है। इस बीच, महाराष्ट्र अभी भारी बारिश के संकट से उबर नहीं पाया है, लेकिन कहा जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में बारिश का प्रकोप और बढ़ेगा। इसी को ध्यान में रखते हुए पालघर जिला प्रशासन ने अब पालघर जिले के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। मौजूदा बारिश की चेतावनी को देखते हुए पालघर जिला प्रशासन ने यह फैसला लिया है।

सभी स्कूलों में छुट्टी, जिला प्रशासन का फैसला

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पालघर जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। पालघर जिले में इस समय भारी बारिश हो रही है। इसलिए लोगों से अपील की गई है कि वे ज़रूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलें। अगले कुछ घंटों में बारिश का प्रकोप और बढ़ेगा। इसलिए, जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। जिला प्रशासन ने यह फैसला लिया है। इसलिए, अब छात्रों को सोमवार, 29 सितंबर को स्कूल जाने की ज़रूरत नहीं है।

जिले में दो दिन भारी बारिश की चेतावनी

पालघल जिले में 28 और 29 सितंबर को भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस इलाके में नदियाँ, नाले और झीलें उफान पर हैं। कई जगहों पर पुल भी डूब गए हैं। इसलिए, जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी देने का फैसला किया गया है ताकि छात्रों को स्कूल जाते समय किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े और छात्र अपनी जान जोखिम में न डालें।

किस जिले के लिए कौन सा अलर्ट

अगले कुछ दिनों में पूरे महाराष्ट्र में भारी बारिश की संभावना है। इस संभावना को ध्यान में रखते हुए, मौसम विभाग ने अलग-अलग जिलों के लिए अलग-अलग अलर्ट जारी किए हैं। कल मुंबई, ठाणे, पुणे, नासिक, पालघर, रायगढ़ जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। दूसरी ओर, नंदुरबार, धुले, छत्रपति संभाजीनगर, अहिल्यानगर, सतारा जिलों के साथ-साथ कोल्हापुर, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

महाराष्ट्र में बारिश का कहर, सीएम फडणवीस ने की राहत कार्यों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए खास निर्देश

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश से हालात बेहद खराब हो गए हैं. खासतौर पर मुंबई और उसके आसपास के जिलों में शनिवार देर रात से हो रही मूसलाधार बारिश से लोगों की परेशानी बढ़ा दी है. सूबे के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं. सीएम बारिश और बाढ़ की स्थिति पर जिलाधिकारियों के साथ संपर्क में हैं.

रविवार (28 सितंबर) को मुख्यमंत्री फडणवीस ने मराठवाड़ा के आठ जिलों और सोलापुर में वर्षा की स्थिति और राहत कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को जमीनी स्तर पर प्रयास तेज करने का निर्देश दिया. सीएम ने छत्रपति संभाजीनगर, बीड, हिंगोली, जालना, लातूर, नांदेड, धाराशिव, परभणी और सोलापुर जिलों की स्थिति की समीक्षा की.

सीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत शिविरों में भोजन, पानी और स्वास्थ्य सुविधाओं की उचित व्यवस्था की जाए. इसके साथ ही उन्होंने कई जिलों में चारे की कमी को देखते हुए तुरंत आपूर्ति बढ़ाने के आदेश भी दिए. साथ ही भारी बारिश के कारण बांधों से पानी छोड़े जाने की मात्रा में वृद्धि होने के मद्देनजर सीएम ने संवेदनशील क्षेत्रों से लोगों को पहले ही निकालने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया.

पशुओं के लिए चारे की आपूर्ति के निर्देश

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि सीएम ने अधिकारियों को राहत शिविरों में भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. सीएम ने कहा कि सभी अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्र में रहना चाहिए और राहत एवं बचाव कार्यों पर बारीकी से नजर रखनी चाहिए. वहीं कुछ क्षेत्रों में चारे की कमी की खबरों पर संज्ञान लेते हुए सीएम ने पशुओं के लिए चारे की तत्काल आपूर्ति के निर्देश दिए.

बांधों से पानी छोड़े जाने की स्थिति की समीक्षा

सीएम ने राज्य भर के बांधों से पानी छोड़े जाने की स्थिति की समीक्षा की और जल संसाधन विभाग को स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करने एवं पूरी सतर्कता बरतने का निर्देश दिया. सीएमओ के बयान के मुताबिक जो लोग पहले ही राहत शिविरों में स्थानांतरित हो चुके हैं, उन्हें स्थिति में सुधार होने तक वहीं रहने को कहा गया है.

इधर मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और कोंकण क्षेत्रों में 30 सितंबर तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कई जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है.

प्रमुख जिलेवार स्थिति :

बांध की स्थितिः जयकवाड़ी से 1.25 लाख क्यूसेक (संभावना 1.5 लाख क्यूसेक तक), माजलगांव से 41,701 क्यूसेक, उजनी से 1 लाख क्यूसेक और सीना-कोळेगाव से 60-75 हजार क्यूसेक विसग.

सोलापुर जिलाः अब तक 4,002 लोगों का रेस्क्यू, 6,500 लोग राहत शिविरों में. भोजन, पानी और स्वास्थ्य की व्यवस्था. 10 किलो चावल, 10 किलो गेहूं और 10,000 रुपए की तात्कालिक मदद वितरित.

बीड जिलाः वडवणी तहसील में संपर्क टूटा. एनडीआरएफ और सेना तैनात. अब तक 2,567 परिवारों का विस्थापन, 10 लोगों की मौत, 8 परिवारों को आर्थिक सहायता.

जालना जिलाः 26 मंडलों में अतिवृष्टि. 225 लोगों को सुरक्षित स्थानांतरित किया गया. जून से अब तक 9 मौतें. 7 परिवारों को आर्थिक मदद.

लातूर जिलाः अहमदपुर, उदगीर समेत कई जगहों से 500 से अधिक लोगों को बचाकर शिविरों में रखा गया. 60 सड़कें और पुल जलमग्न थे, अब यातायात शुरू.

परभणी जिलाः 23-24 सितंबर को 36 गांवों का संपर्क टूटा. अब तक 1,386 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया. 6 मौतें, सभी परिवारों को आर्थिक मदद. 203 घरों को नुकसान, प्रभावितों को सहायता दी गई.

हिंगोली जिलाः 23 मंडलों में नुकसान. 10 गांवों का संपर्क टूटा. 231.27 करोड़ रुपए वितरित करने की प्रक्रिया. 13 लोगों की मौत, परिवारों को मदद.

छत्रपति संभाजीनगर जिलाः जिले में 818.5 मिमी बारिश (सामान्य 581.7 मिमी). 68 मंडलों में अतिवृष्टि. 133 पक्के और 291 कच्चे घर क्षतिग्रस्त. पैठण में नागरिकों को शाळा और मंगल कार्यालय में कार्यालय में स्थानांतरित किया.

धाराशिव जिलाः 6 गांवों का संपर्क टूटा. 3,615 लोगों को सुरक्षित कार्यालय में स्थानांतरित किया. 88 घर ढहे, तत्काल सहायता दी जा रही है.

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे मैदान पर रहकर राहत और बचाव कार्य की निगरानी करें और नागरिकों को सभी आवश्यक मदद तुरंत उपलब्ध कराएं.

शिवसेना शिंदे गुट के पूर्व महापौर के फार्म हाउस पर चल रहा था बड़ा धंधा, बंगले का नजारा देख पुलिस भी हैरान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

जलगांव से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, इस घटना से हड़कंप मच गया है। पुलिस ने जलगांव में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने पूर्व महापौर समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। इस कॉल सेंटर के जरिए विदेशियों से संपर्क कर ऑनलाइन ठगी की जा रही थी। अब तक जानकारी सामने आ रही है कि इस कॉल सेंटर के जरिए कई लोगों को ठगा जा चुका है। इस मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने इस कॉल सेंटर पर छापा मारा।

घटना के बारे में और जानकारी यह है कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कॉल सेंटर के जरिए विदेशियों से विभिन्न तरीकों से संपर्क कर ऑनलाइन ठगी की जा रही है। यह फर्जी कॉल सेंटर जलगांव के मुराबाद रोड स्थित पूर्व महापौर के फार्म हाउस में चल रहा था। पुलिस ने इस फर्जी कॉल सेंटर पर छापा मारा है। इस मामले में पुलिस ने पूर्व महापौर ललित कोल्हे समेत कुल 8 लोगों को हिरासत में लिया है और गिरफ्तारी की प्रक्रिया जारी है।

यह फार्म हाउस शिवसेना शिंदे गुट के पूर्व महापौर ललित कोल्हे का है। यह कॉल सेंटर वहीं शुरू किया गया था। पुलिस को शक है कि वही इस कॉल सेंटर को चला रहा है। पुलिस ने बताया है कि इस फर्जी कॉल सेंटर के जरिए अब तक विदेशी नागरिकों से लाखों रुपये की ठगी की जा चुकी है।

पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के युवक यहां काम कर रहे थे। पता चला है कि इस युवक के जरिए अलग-अलग ऑनलाइन कंपनियों का नाम लेकर लोगों को ठगा जा रहा है। पुलिस ने अनुमान लगाया है कि 20 दिन पहले शुरू हुए इस फर्जी कॉल सेंटर के जरिए कई विदेशी नागरिकों से लाखों रुपये की ठगी की गई है। पुलिस ने यह भी कहा कि घटना की आगे की जांच जारी है। इस बीच, अब जानकारी मिली है कि इस मामले में जलगांव शहर के तालुका पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

घर के सामने सो रही महिला हुई गायब, सच्चाई सामने आते ही पूरा गांव हिल गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

गोंदिया से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, गहरी नींद में सो रही एक महिला पर रात में बाघ ने हमला कर दिया। बाघ द्वारा महिला को कंबल और मच्छरदानी समेत घसीटकर ले जाने की घटना सामने आई है। यह घटना गोंदिया के देवरी तालुका के धमड़ी टोला गांव में हुई। इस घटना से तीन दिन पहले, मोरगांव अर्जुनी तालुका के संजयनगर में एक तेंदुआ पांच साल के बच्चे को उठा ले गया था। इस बीच, इस घटना के बाद अब ग्रामीण काफी आक्रामक हो गए हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया है।

घटना के बारे में अधिक जानकारी यह है कि घर के सामने खड़े 5 साल के बच्चे पर तेंदुए द्वारा हमला कर उसे मार डालने की घटना अभी ताजा ही थी कि अब गोंदिया जिले के देवरी तालुका के धमड़ी टोला में एक बाघ द्वारा सो रही महिला पर हमला कर उसे मार डालने की घटना सामने आई है। बाघ के हमले में मरने वाली महिला का नाम प्रभाबाई कोराम (49) है। प्रभाबाई कोराम अपनी बेटी के गाँव धमड़ीटोला आई हुई थीं। इसी दौरान आधी रात को जब वह अपने घर के बरामदे में सो रही थीं, तभी बाघ ने उन पर हमला कर दिया। इस हमले में महिला की मौत हो गई। इसके बाद बाघ उन्हें कंबल और मच्छरदानी समेत जंगल में घसीट ले गया। घटना रविवार सुबह सामने आई।

इस बीच, सुबह यह घटना सामने आई, बाघ के हमले में महिला की मौत हो गई, जिसके बाद बाघ महिला को कंबल और मच्छरदानी समेत जंगल में घसीट ले गया। घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों ने भारी आक्रोश व्यक्त किया और वन विभाग के अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। इस समय, ग्रामीणों ने मांग की है कि मृतक महिला के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। इसके बाद, वन विभाग की ओर से महिला के परिजनों को एक लाख रुपये की अस्थायी सहायता प्रदान की गई है। वन अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि शेष 24 लाख रुपये एक सप्ताह के भीतर प्रदान कर दिए जाएँगे। इस घटना से गाँव में दहशत का माहौल है।

अंडरग्राउंड मेट्रो-3 का ट्रायल सफल, अब हर इतने मिनट में दौड़ेगी मेट्रो

मुंबई । मुंबई में ट्रैफिक जाम की समस्या से परेशान मुंबईकरों के लिए खुशखबरी है। मुंबई मेट्रो रूट-3 (कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज़) के शुरू होने का इंतज़ार कर रहे लोगों के लिए अब जल्द ही अंडरग्राउंड मेट्रो का पूरा रूट यात्रा के लिए उपलब्ध होगा। मुंबई मेट्रो रूट-3 के दूसरे चरण का सफल परीक्षण हो चुका है। अब इस रूट पर जल्द ही अंडरग्राउंड मेट्रो दौड़ेगी।

हर तीन मिनट में ट्रेनें मिलेंगी

मुंबई मेट्रो रूट-3 के यात्रियों को अब हर 3 मिनट में ट्रेनों की सुविधा मिलेगी। मुंबई मेट्रो रूट-3 का ट्रायल रन शहर के सबसे व्यस्त इलाके में हुआ है। इस रूट पर हर दिन लाखों लोग यात्रा करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह सिस्टम पूरी तरह से सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल है। जल्द ही इस अंडरग्राउंड मेट्रो पर यात्रा करना संभव होगा।

सम्पादकीय

तुर्किये की कोशिश नाकाम, अब अमेरिका बोला - कश्मीर पर फैसला सिर्फ भारत-पाक करेंगे, पीएम मोदी की कूटनीति सफल

भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी मुद्दे पर बातचीत हमेशा द्विपक्षीय स्तर पर ही होती रही है। कश्मीर का मसला भी इनमें से एक है। हालांकि, कई मौकों पर खुद पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की कोशिश की है, लेकिन भारत तीसरे पक्ष की भूमिका को सिरे से खारिज करता रहा है। अब अमेरिका ने भी साफ कर दिया है कि कश्मीर भारत-पाकिस्तान का आपसी मसला है और इसमें किसी तरह का दखल देने में उसकी कोई रुचि नहीं है।

अमेरिका का यह संदेश इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार यह दावा कर चुके हैं कि आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक के बीच संघर्ष विराम कराने में उनकी अहम भूमिका रही है। जबकि भारत इन दावों को पूरी तरह नकारता रहा है। ऐसे में अब अमेरिका ने भारत के उस रुख की पुष्टि कर दी है कि पाकिस्तान से जुड़े मसलों में किसी तीसरे पक्ष का दखल कतई स्वीकार्य नहीं है।

दरअसल, 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच शिमला में एक अहम समझौता हुआ था। इसके तहत आम सहमति बनी थी कि भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर सहित जितने भी मसले हैं, उनका समाधान आपसी बातचीत से ही किया जाएगा। यानी द्विपक्षीय मुद्दों को न तो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाया जाएगा और न ही इनमें किसी तीसरे पक्ष को शामिल किया जाएगा। मगर इस समझौते का पाकिस्तान ने कई बार उल्लंघन कर कश्मीर मसले को संयुक्त राष्ट्र में भी उठाया है। जबकि भारत इस समझौते के अनुरूप अपने रुख पर हमेशा कायम रहा है और इसी का नतीजा है कि अब अमेरिका ने भी स्वीकार किया है कि कश्मीर मसला सीधे तौर पर द्विपक्षीय मुद्दा है।

गौरतलब है कि अमेरिकी विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कहा कि यह उनके देश की दीर्घकालिक नीति है कि कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान ही आपसी बातचीत और सहमति से कोई हल निकाल सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि दोनों देशों की ओर से अमेरिका से किसी मुद्दे पर सहयोग मांगा जाता है तो वह मदद के लिए तैयार है। हालांकि, भविष्य में ऐसी नौबत आने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है।

अमेरिका का यह बयान ऐसे मौके पर आया है, जब पाकिस्तान के मित्र देश तुर्किये के राष्ट्रपति ने पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मसला उठाया था। उनका कहना था कि कश्मीर मुद्दे का समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के आधार पर संवाद के जरिए होना चाहिए। भारत ने इसका कड़ा विरोध करते हुए अपना रुख स्पष्ट किया और कहा कि यह सिर्फ द्विपक्षीय मुद्दा है और इसका अंतरराष्ट्रीयकरण नहीं किया जा सकता। तुर्किये पहले भी इस तरह की कोशिशें करता रहा है, जो भारत के प्रतिरोध के आगे बौनी साबित हुई हैं। एक और महत्त्वपूर्ण बात यह है कि पिछले दिनों पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा था कि भारत ने दोनों देशों से जुड़े मसलों में कभी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया है। साफ है कि पाकिस्तान इस बात को बखूबी जानता है कि द्विपक्षीय मसलों को लेकर भारत के साथ बातचीत ही एकमात्र विकल्प है। मगर यह भी सच है कि सीमा पार से आतंकवाद और बातचीत, दोनों साथ-साथ नहीं चल सकते।

यूरोप और अमेरिका में चरम दक्षिणपंथ का उभार, सीमा बंद करने और अप्रवास विरोधी नारे बढ़ाए राजनीतिक ध्रुवीकरण

यूरोप और अमेरिका में चरम दक्षिणपंथी दल मुख्यधारा में आते जा रहे हैं। अप्रवास विरोध, सीमा बंदी और फासीवादी रुझानों से राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, जो वैश्विक लोकतंत्र और सामाजिक स्थिरता के लिए गंभीर चेतावनी है। यूरोप में चरम दक्षिणपंथी दल, जो 'रीमाइग्रेशन' (गैर-नागरिकों को निर्वासित करना) और सीमा बंद करने पर जोर देते हैं, मुख्यधारा में आ रहे हैं।

2024 के यूरोपीय संसद चुनावों में, फ्रांस की नेशनल रैली और जर्मनी के आऊ जैसे दलों ने लगभग 25 फीसद सीटें जीतीं, जो पहले की तुलना में ज्यादा है। ये दल मुसलिम विरोधी और अप्रवासी-विरोधी बयानबाजी पर जोर देते हैं। अप्रवास को अपराध, कल्याण प्रणाली पर दबाव और सांस्कृतिक क्षरण से जोड़ते हैं। आस्ट्रिया की बात करें तो यहां फ्रीडम पार्टी है जो सख्त अप्रवास नियंत्रण की वकालत करती है। 2024 के अंत में 30 फीसद समर्थन के साथ मतदान में आगे थी।

फ्रांस/इटली/जर्मनी में नेशनल रैली (मरीन ले पेन) और ब्रदर्स ऑफ इटली (जार्जिया मेलोनी) जैसे दलों ने फासीवादी विचारों को सामान्य किया है। 2024 में अप्रवासी-विरोधी रुख से लाभ उठाया। जुलाई 2025 में, अप्रवासी केंद्रों पर हमले सहित चरम दक्षिणपंथी घटनाएं बढ़ीं।

वृहद यूरोप में 2024 की नई शरण नियमावली 'निवारण' पर जोर देती है, जिसमें सीमा पर धकेलने की नीतियां शामिल हैं। पर जनमत इसके साथ दिखतता है। देखा गया है कि अनियंत्रित अप्रवास चरमपंथ को बढ़ावा देता है। एक अध्ययनकर्ता ने फ्रांस और जर्मनी में कम आत्मसात दर के कारण दक्षिणपंथ की लोकप्रियता को उजागर किया। आलोचक, हालांकि, फासीवाद के केंद्र के रूप में नस्लवाद (विशेष रूप से अश्वेत और मुस्लिम-विरोधी) की चेतावनी देते हैं।

वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका में सीमा संकट ने खास तरह का राजनीतिक ध्रुवीकरण किया है। अमेरिका में 2024 के चुनाव के दौरान अप्रवासी-विरोधी उन्माद चरम पर था, डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रवासियों को 'आक्रमणकारी' के रूप में चित्रित किया, जो अपराध और आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार हैं। मतदान में अवैध अप्रवास शीर्ष चिंता थी, जिसने रिपब्लिकन की जीत में योगदान दिया। 2025 तक, चरम दक्षिणपंथी मिलिशिया सीमाओं पर गश्त कर रहे थे, और निर्वासन की बयानबाजी तेज हो गई।

कनाडा, जो लंबे समय तक अप्रवास की सफल कहानी रहा, अब तनाव का सामना कर रहा है। 2023-2024 में उच्च प्रवाह (1 मिलियन से अधिक) ने आवास और नौकरियों पर दबाव डाला, जिससे चरम दक्षिणपंथी कथानक को बढ़ावा मिला। कंजर्वेटिव नेता पियरे पाइलिवरे ने अप्रवासियों को मूल समस्याओं जैसे कि सामर्थ्य के लिए जिम्मेदार ठहराया। वहीं, आस्ट्रेलिया में कई तरह के बदलाव उल्लेखनीय हैं। 'बहुसंस्कृतिवाद' से 2025 में हजारों लोगों के अप्रवास-विरोधी प्रदर्शनों तक, नयो-नाजी से जुड़े वक्ताओं ने चरमपंथ के जोखिम को उजागर किया।

इनके अंतर्निहित कारण में आर्थिक दबाव (जैसे, आवास की कमी) को अहम माना गया है। अपराध की अतिशयोक्तिपूर्ण धारणा या पहचान खोने का डर पैदा किया जाता है। सोशल मीडिया इसे बढ़ाता है। इससे चरम दक्षिणपंथ को सबसे अधिक लाभ होता है। लोकलुभावन नेता वोटों के लिए अप्रवास के मुद्दों को गर्म करते रहते हैं। अप्रवास अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ाता है। यह श्रम की कमी को पूरा करता है। 'ह्यूमन राइट्स वाच' का कहना है कि यूरोपीय नीतियां वैश्विक असमानता जैसे मूल कारणों को हल किए बिना जीवन को खतरे में डालती हैं। कोई एक सोशल मीडिया पोस्ट गलत धारणा को बखूबी बढ़ा सकता है।

सितंबर 2025 तक यह अलगाववादी भावना कम होने के कोई संकेत नहीं दिखाती। इन देशों में चरम दक्षिणपंथी दलों को 20 से 30 फीसद समर्थन है, जो केंद्रवादी नीतियों को भी प्रभावित कर रहा है (जैसे, यूके की रवांडा योजना)। ट्रंप की अमेरिकी जीत और यूरोप का विखंडन नकल को प्रेरित कर सकता है, लेकिन अतिप्रतिक्रिया लाभकारी अप्रवास को रोक सकती है। जांच, एकीकरण और जन शिक्षा जैसे संतुलित दृष्टिकोण चरमपंथ को कम कर सकते हैं। यूरोप, अमेरिका, कनाडा व आस्ट्रेलिया जैसे देश इस समय वैश्विकवाद के संक्रमणकाल से जूझ रहे हैं। मावतावाद के जनक देशों में ही इस पर सवाल है।

शब्दों की गूंज और मौन की ताकत, चुप रहकर हम कैसे पाते हैं अंदर की शांति और जीवन का असली आनंद

शब्द अभिव्यक्ति का सहज माध्यम है। लेखन हो या जीवन, शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है, जो कभी कहानी, कविता तो कभी निबंध और फिर किसी पुस्तक के रूप में सबके विचारार्थ सामने होता है। शब्दों की यात्रा ही जीवन को गतिशील बनाए रखती है। मौन को भी परिभाषित करने के लिए शब्दों की ही जरूरत पड़ती है, भले ही वह भाषा मौन की हो। सोचने-समझने से लेकर पुस्तकों के पाठ तक, शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है और इनके अर्थ के साथ पठन-पाठन की एक संस्कृति हमारे साथ चलती रहती है।

दरअसल, अभिव्यक्ति के मुख्यतः दो ही माध्यम हैं। एक तो सोचे-समझे, विचार किए गए और उसके बाद अभिव्यक्त किए गए शब्द हैं, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक विस्तृत दुनिया है। वह है मौन। मौन कभी वह पक्ष भी व्यक्त कर देता है, जिनके लिए उपयुक्त शब्द व्यक्त नहीं कर पाते। जाहिर है, इस मौन के साथ भी एक भाव नत्थी होता है, जिनमें कुछ शब्द गुंथे होते हैं।

दुनिया मेरे आगेः अगर सब कुछ पैसा ही है तो पैसे वालों की जिंदगी में सुकून क्यों नहीं है? सवाल वही - बाजार में चैन क्यों नहीं बिकता?

मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। यह कभी रोष को अभिव्यक्त करता है, तो कभी अगाध प्रेम को। ऐसे मौके भी हम सबकी जिंदगी में आते रहते हैं, जब हमें लगता है कि मौन कई बार शब्दों की विवशता भी है। कभी-कभी शब्द या उचित शब्दों की खोज की हमारी सीमा अनुभूति को व्यक्त नहीं कर पाते। तब उसे मौन व्यक्त कर देता है। यानी शब्द भावों की गूंज हैं तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। इसके पीछे बाकायदा शब्दों का एक व्यापक संसार छिपा होता है।

यह कहा भी गया है कि बोलना अगर चांदी के समान है, तो चुप रहना स्वर्ण है। बल्कि कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं। फिर सोचते हैं कि न बोलना ही श्रेयकर है। ऐसे में मौन हमारा साथी और खुद को अभिव्यक्त करने का श्रेष्ठतम माध्यम साबित होता है। हां, यह जरूर है कि इस अभिव्यक्ति को समझने वाला कोई संवेदनशील व्यक्ति हो।

हम जिस समाज में रहते हैं, उसमें संवाद रहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। यह कह सकते हैं कि चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को कुछ समय तक विराम देना आत्म-संयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। अगर हम इसे दर्ज कर पाते हैं, तो इससे तैयार किताब न केवल हमारी अभिव्यक्ति की स्वीकृति के रूप में हमारे सामने होती है, बल्कि आने वाले वक्त और पीढ़ियों के लिए व्यक्ति और समाज के अध्ययन का एक दस्तावेज भी होती है।

बाहरी मौन का संयम रखते हुए आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन अलौकिक है। आंतरिक मौन यानी सब इच्छाओं की समाप्ति। यह अत्यंत दुष्कर है, लेकिन असंभव नहीं। यह जीवन को पूर्ण कर देता है।

हर इंसान के भीतर एक आध्यात्मिक अनुभूति है। जैसे पानी में कंकड़ फेंकते हैं और पानी में एक लहर आती है, वैसे ही व्यक्ति के भीतर अध्यात्म की चेतना आती है, क्योंकि चेतन का स्वभाव ही आत्म तत्त्व की खोज है, जिसका क्षणिक आभास हम जब तब करते रहते हैं। मगर जब ये आत्म तत्त्व चिरस्थायी हो जाता है, तब असल आनंद प्राप्त हो जाता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं, आंतरिक मौन लोक में रहकर अलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूंढ़ना ही आंतरिक मौन है। यह सृष्टि का अहनद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

संसार में रहकर संसार से विरक्ति निश्चित रूप से सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियां ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवनयापन होता रहता है और एक दिन जीवन पूरा हो जाता है। वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया, जो कर्मशील दुनिया हैं, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वह हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है।

दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज होती है, अपनी पूंजी। इसे कोई हमसे छीन नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर कितना ही शोर हो, अगर मन में शांति है तो हम विजयी हैं। अशोक जैसे योद्धा विजेता बनने के बाद भी आंतरिक कोलाहल से विचलित रहे। अगर शांति कहीं बाहरी सुख में होती तो सम्राट अशोक विजेता बनने के बाद विरक्त न होते। कितने ही योद्धा इस संसार में हुए, जो विश्व विजयी बनने के बाद भी आंतरिक शांति नहीं पा सके. क्योंकि शांति बाहरी विजय में है ही नहीं।

सांसारिक यात्रा के पड़ावों को पूरा करते हुए मंजिल आंतरिक मौन ही होना चाहिए, जहां कोई इच्छा न रहे। एक यात्रा, जहां आत्मा का आनंद हो, जो अलौकिक हो, रंगीन दुनिया से रंगहीन दुनिया की ओर। जहां रंगों का संसार समाप्त होकर भीतर का अलौकिक प्रकाश निकले, जिसके परावर्तन से आत्मा में परमात्मा की प्राप्ति हो। यही जीवनदर्शन है।

जब पक्षी भी सो नहीं पाते - शहरी शोर से बिगड़ रही सेहत, सरकार के 'साइलेंट सिस्टम' पर उठे सवाल, निगरानी सिर्फ 'डैशबोर्ड' तक क्यों?

देश में ध्वनि प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए बड़े शहरों में निगरानी तंत्र स्थापित किए गए हैं। इसके बावजूद करोड़ों लोग अब भी ध्वनि प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। इसका कारण पर्यावरण को लेकर शासन-प्रशासन का उदासीन रवैया और राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और पर्यावरण मंत्रालय की ओर से वर्ष 2011 में शुरू की गई 'नेशनल एंबिएंट नाइज मानिटरिंग नेटवर्क' (एनएनएमएन) योजना का उद्देश्य शुरुआत में देश के सात प्रमुख महानगरों में सत्तर यांत्रिक तंत्र स्थापित कर ध्वनि प्रदूषण की वास्तविक समय में निगरानी करना था, ताकि आंकड़ों के आधार पर उचित नीतिगत हस्तक्षेप संभव हो सके। मगर धरातल पर इस योजना का कोई प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। इस योजना की शुरुआत देश के सात शहरों में पैंतीस 'रियल-टाइम मानिटरिंग स्टेशनों' के साथ हुई थी। योजना के दूसरे और तीसरे चरण में इसका विस्तार क्रमशः पैंतीस नए केंद्रों के साथ करने की बात कही गई थी, लेकिन वर्ष 2021-23 तक यह तंत्र केवल आठ शहरों तक ही पहुंच पाया। जिनमें दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, लखनऊ और बंगलुरु भी शामिल हैं।

हालांकि, इसमें भी जमीनी हकीकत काफी अलग है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ जैसे शहरों में यह प्रणाली एक निष्क्रिय 'डैशबोर्ड' तक सीमित रह गई, जहां न तो ध्वनि प्रदूषण के आंकड़े वास्तविक समय में दर्ज हो रहे हैं, न आम नागरिकों को इसकी जानकारी है। न ही कोई ठोस नीतिगत कार्रवाई सामने आई है। जिन केंद्रों पर यह तंत्र ठीक से काम कर रहा है, वहां आंकड़ों का अध्ययन करने और उसके आधार पर नीति बनाने की पहल भी कम ही नजर आती है। इस योजना के तहत तीन प्रमुख शांत क्षेत्रों में दर्ज ध्वनि स्तर दिन में 65-70 डेसिबल (ए) तक पहुंच गया, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से निर्धारित सीमा 40-50 डेसिबल (ए) है। यानी यह तंत्र अपने मूल उद्देश्य और नीतिगत हस्तक्षेप की नींव तैयार करने में विफल रहा है।

भारत में ध्वनि प्रदूषण एक अदृश्य संकट के रूप में लगातार गहरा रहा है, जो न केवल मानव स्वास्थ्य, बल्कि जैव विविधता को भी प्रभावित कर रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, देश के प्रमुख महानगरों में दिन के समय ध्वनि स्तर औसतन 65-75 डेसिबल (ए) तक पहुंच जाता है। जबकि रात में यह स्तर 55-65 डेसिबल (ए) तक बना रहता है, जो नींद, तनाव और हृदय पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। 'लांसेट' के एक अध्ययन में पाया गया है कि लगातार उच्च ध्वनि स्तर के बीच रहने से हृदय रोग का जोखिम बीस फीसद तक बढ़ जाता है। तब नींद की गुणवत्ता में तीस फीसद तक गिरावट आती है। शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लगभग चालीस करोड़ लोग प्रतिदिन सीमा से अधिक शोर के संपर्क में आते हैं।

ध्वनि प्रदूषण का प्रभाव केवल मानव तक सीमित नहीं है।

भारतीय वन्यजीव संस्थान के एक शोध के मुताबिक, सामान्य मैना जैसे पक्षी शहरी शोर के कारण रात में बार-बार जागते हैं, जिससे उनके प्रजनन व्यवहार और सामाजिक संचार पर असर पड़ता है। उनके स्वरों की विशेषता कम हो जाती है, जिससे उनकी पहचान और जोड़ी बनाने की क्षमता प्रभावित होती है। नीतिगत स्तर पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत बना ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) अधिनियम, 2000 मौजूद है, लेकिन इनका क्रियान्वयन बेहद कमजोर है। ध्वनि प्रदूषण अब केवल एक पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि एक स्वास्थ्य आपातकाल बनता जा रहा है, जिसे तत्काल नीति, निगरानी और जन-जागरूकता से जोड़ना आवश्यक है।

पर्यावरण मंत्रालय ने इस योजना को शहरों में ध्वनि प्रदूषण से निपटने के लिए एक निर्णायक कदम बताया था, लेकिन अब यह सवाल उठ रहा है कि केवल ध्वनि प्रदूषण के आंकड़ों के संकलन का क्या फायदा है, अगर वह जन-जागरूकता और नीति निर्माण में तब्दील न हो। जब निगरानी केवल दर्ज करने तक सीमित रह जाए और कार्रवाई अनुपस्थित हो, तो साफ है कि यह तंत्र शोर की गूंज को तो दर्ज करता है, लेकिन समाधान की दिशा में मौन साध लेता है। शहरी ध्वनि प्रदूषण पर सरकारी निगरानी तंत्र अक्सर निष्क्रिय 'डैशबोर्ड' तक सीमित रह जाता है, जबकि वास्तविक हस्तक्षेप की जरूरत जमीन पर है। यूरोप में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, ध्वनि प्रदूषण लाखों लोगों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है, जिससे उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और नींद संबंधी विकार बढ़ रहे हैं।

हाल में राष्ट्रीय हरित अधिकरण की पुणे पीठ ने 'साइलेंस जोन' में लाउडस्पीकर और सार्वजनिक उद्घोष प्रणालियों के उपयोग पर रोक लगाई थी। अधिकरण ने पुलिस और राज्य सरकार को निर्देशित किया कि शैक्षिक संस्थानों, अस्पतालों और न्यायालयों के आसपास के क्षेत्रों में 'साइलेंस जोन' की पहचान और नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए। इसी पृष्ठभूमि में नवाचारों का महत्त्व और बढ़ जाता है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित और डीपीआइआइटी में पंजीकृत नवउद्यम 'वाईहाक' पारंपरिक निगरानी से अलग एक नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाता है। इसने एक आइओटी हार्डवेयर विकसित किया है, जिसे अभी तक छह शहरों में वाहनों के हार्न सर्किट में स्थापित किया जा चुका है।

यह उपकरण वास्तविक समय में हार्न बजाने की समय-सीमा, स्थान, अवधि, स्वरूप (लघु, दीर्घ, बहु-हार्न) और वाहन की गति जैसे आंकड़ों के साथ-साथ चालक की आयु, शिक्षा, अनुभव और हार्न की डेसिबल क्षमता जैसे आंकड़े भी दर्ज करता है। जून, 2022 से अब तक आइओटी ने सरकार और निजी संस्थाओं के साथ मिल कर नौ परियोजनाएं पूरी की हैं, जिनमें सौ से अधिक वाहनों से बत्तीस लाख से अधिक आंकड़े एकत्र किए गए हैं।

जब सरकारी तंत्र अपारदर्शी बना रहता है, तब नवउद्यम 'वाईहाक' वाहनों के शोर को दर्ज करता है, इससे न केवल नीति निर्माण को दिशा मिलती है, बल्कि यह व्यवहार परिवर्तन और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए भी एक ठोस आधार तैयार करता है। भारत के शहरी क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण दशकों से निर्धारित मानकों से ऊपर बना हुआ है, जो नागरिकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रहा है। यह केवल मानव जीवन तक सीमित नहीं है; शहरी शोर पक्षियों की नींद और प्रजनन व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है, जिससे पारिस्थितिकी संतुलन बाधित हो रहा है।

यह चुनौती सीधे सतत विकास लक्ष्यों, विशेषकर स्वास्थ्य और सुरक्षित शहरों से जुड़ी है। वर्तमान निगरानी तंत्र अक्सर निष्क्रिय या अपारदर्शी बने रहते हैं। अगर कहीं निगरानी तंत्र सक्रिय भी है, तो उसके आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं हो रहा है। इसलिए आवश्यक है कि तकनीकी नवाचारों को प्रभावी नीति हस्तक्षेप, शहरी नियोजन सुधार और सामुदायिक जागरूकता के साथ जोड़ा जाए, ताकि शहरी जीवन को प्रदूषण के दबाव से छुटकारा मिल सके और विकास लक्ष्यों को पर्यावरण के अनुकूल ठोस और सही दिशा मिल सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात सांस्कृतिक भारत का वैचारिक दर्शन : महापौर गणेश केसरवानी

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 126 वीं मन की बात का आयोजन महापौर कैंप कार्यालय कीडगंज में आयोजित किया गया इस अवसर पर मां और गणेश केसरवानी ले कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री की मन की बात को सुना और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा मन की बात में देशवासियों को दिया गया संबोधन वास्तव में राष्ट्र की एकात्मता और सांस्कृतिक भारत की वैचारिक दर्शन का प्रेरणा प्रतीक है जो जन-जन को भारत के विचारों का दर्शन करा रही है।

इस अवसर भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी मुट्ठीगंज कार्यालय में प्रधानमंत्री की मन की बात को सुना और बताया कि आज के मन की बात के 126 वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में क्रांतिकारी भगत सिंह, वीर सावरकर एवं स्वर कोकिला लता मंगेशकर की राष्ट्र के प्रति उनकी भावना का जिक्र किया इसके अलावा आगामी आने वाले पर्व दुर्गा पूजा विजयदशमी दीपावली छठ पूजा महर्षि वाल्मीकि जयंती, गांधी जयंती का जिक्र करते हुए कहा कि भारत का त्योहार भारत को जोड़ता है और पर्वों के माध्यम से स्वदेशी एवं आत्मनिर्भर भारत को बनाने के लिए संदेश दिया और नारी शक्ति का प्रतीक बताते हुए सागर की परिक्रमा करने वाली नौसेना की देश की बेटियों का अनुभव साझा किया। कार्यक्रम की संयोजक पार्षद मुकेश लारा रहे।

इस अवसर पर राजेश केसरवानी, विवेक अग्रवाल, प्रमोद मोदी, टी एन दीक्षित, गिरजेश मिश्रा, विवेक मिश्रा, श्रीकांत केसरवानी, हिमालय सोनकर, उमेश केसरवानी, रत्नेश मिश्रा, भारत यादव, पार्षद रुद्रसेन जायसवाल, सुनील केसरवानी अजय अग्रहरि, दीपक केसरवानी, सुशील जैन, कमलेश केसरवानी नीरज केसरवानी एवं भाजपा कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर सपा की तैयारी युद्ध स्तर पर

अधिवक्ता सभा के प्रदेश अध्यक्ष सिकंदर यादव ने बैठक कर मतदाता बनाने पर दिया जोर

प्रयागराज। इलाहाबाद - झाँसी स्नातक एमएलसी चुनाव में सपा ने अपनी जीत को भारी बढ़त के साथ कायम रखने के लिये हर स्तर पर तैयारी तेज कर दी है।समाजवादी अधिवक्ता सभा के प्रदेश अध्यक्ष सिकंदर यादव ने आज पार्टी के जार्जटाउन स्थित कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ बैठक कर मतदाता फार्म भरे जाने की समीक्षा की। जिला पंचायत अध्यक्ष की पूर्व प्रत्याशी श्रीमती मालती यादव, वरिष्ठ नेता राम मिलन यादव ने जिला पंचायत सदस्यों की बैठक कर अधिक से अधिक फार्म भरे जाने पर जोर दिया।

इस चुनाव के प्रथम चरण में मतदाता बनाये जाने के लिये मतदाता फार्म भरने- भराने के लिये मुख्य संगठन जहाँ बूथ स्तर पर सघन अभियान चला रहा है वहीं सभी फ्रंटल संगठनों को भी इस कार्य में अलग अलग टारगेट दिए गए हैं। इस हफ्ते लगातार बैठके हुई जिसमें लोहिया वाहिनी, यूथ ब्रिगेड, मजदूर सभा के प्रदेश पदाधिकारियों ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए लक्ष्य पूरे करने के निर्देश कार्यकर्ताओं को दिए।

बैठक में प्रमुख रूप से अधिवक्ता सभा के प्रदेश अध्यक्ष सिकंदर यादव, एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, सुशील यादव एडवोकेट, रेहान अहमद, रविन्द्र यादव, वकार अहमद, निरेन्द्र सिंह यादव, योगेश पाल, कमलेश रतन, लल्लन सिंह पटेल, रुपनाथ यादव एडवोकेट, श्रीमती मालती यादव, राम मिलन, संजीव यादव एडवोकेट, इब्ने अहमद, सुषमा यादव, आर एन यादव, सचिन श्रीवास्तव, प्रवीण यादव, बृजेश यादव, अल्पना यादव एडवोकेट, रंगबहादुर यादव, नेपाल सिंह, कमरुल अहमद, सुशील सोनकर, आशीष पाल, हेमंत यादव, आदि सहित सैकड़ो कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

अमर क्रांतिकारी भगत सिंह की मनाई गई 118 वीं जन्म जयंती और दी गई श्रद्धांजलि

भगत सिंह स्वतंत्रता संग्राम के इंकलाब थे : राजेश केसरवानी

प्रयागराज। अमर क्रांतिकारी श्रद्धांजलि ग्रुप के द्वारा अमर क्रांतिकारी भगत सिंह की 118 वीं जन्म जयंती आर्य नगर मुट्ठीगंज दुर्गा पूजा पंडाल में मनाई गई और संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर श्रद्धांजलि ग्रुप के अध्यक्ष एवं भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने कहा कि मां भारती के अमर सपूत भगत सिंह की जीवन यात्रा पर दर्शन डाला और कहा की भगत सिंह स्वतंत्रता संग्राम के स्वयं में इंकलाब थे जिनके बलिदान ने देश की आजादी का नव प्रभात लिखा था और उन्होंने बलिदान होने से पूर्व देश की आजादी का अंजाम लिख दिया था जो आज भी देश के नौजवानों के लिए प्रेरणा स्रोत है। इसके पूर्व भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के संयोजक शत्रुघ्न जायसवाल रहे।

संचालन अजय अग्रहरि ने किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में एडवोकेट सुशील जैन, राजेश शर्मा, कमलेश केशरवानी, निखिल जायसवाल, पद्माकर श्रीवास्तव, मधुर माथुर गौतम जायसवाल, मुकेश जायसवाल राजा मेहरोत्रा सुनील जायसवाल राकेश जयसवाल सुनील दुबे, दिनेश चंद जायसवाल रविंद्र कुमार जायसवाल, अनूप जायसवाल, किशनचंद्र जायसवाल, अजय जायसवाल, अशोक चौरसिया आदि रहे।

जेई ने उपभोक्ता से की अभद्रता, फर्जी मुकदमे में फंसाने की दी धमकी

थरवई। क्षेत्र के माधवपुर गांव निवासी विद्युत उपभोक्ता अतुल कुमार शुक्ला ने गांव में लगे 16 केवीए के ट्रांसफार्मर पर क्षमता से अधिक कनेक्शन होने से बार-बार ट्रांसफार्मर जलने की समस्या उठाई। इस संबंध में उन्होंने विभागीय अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर ट्रांसफार्मर का भार बढ़ाए जाने की मांग की।आरोप है कि इसी बात से नाराज थरवई सब स्टेशन पर तैनात अवर अभियंता (जेई) ने उपभोक्ता के साथ अभद्रता की। शिकायतकर्ता का कहना है कि जेई ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी।पीड़ित उपभोक्ता ने इस घटना की लिखित शिकायत शनिवार को थरवई पुलिस को दी है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थरवई संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा का आत्मनिर्भर भारत अभियान मंडल कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

आत्मनिर्भर भारत के हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी अभियान को सफल बनाना है : भाजपा

प्रयागराज। भाजपा मुट्ठीगंज मंडल के द्वारा आत्म निर्भर भारत संकल्प अभियान मंडल कार्यशाला का शुभारंभ किया इस अवसर कार्यशाला के मुख्य वक्ता अनिल केसरवानी एवं प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए हमें हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी अभियान को जन-जन का आंदोलन बनाना है तभी हम भारत को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। इस अवसर मंडल अध्यक्ष परमानंद वर्मा एवं अभियान संयोजक विश्वास श्रीवास्तव ने आत्म निर्भर भारत के सभी कारणीय कार्यों को जानकारी दी। कार्यशाला की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष परमानंद वर्मा ने किया।

संचालन सुधांशु त्रिपाठी, ने किया धन्यवाद अभिषेक जायसवाल, ने किया। इस अवसर मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी पार्षद नीरज टंडन, मंजू गुप्ता दीपक केसरवानी, लव कुश केसरवानी, दीपक शर्मा, मालती केसरवानी, मंजू गुप्ता, रिंकू भारती सुशील निषाद, अन्नपूर्णा श्रीवास्तव, अनिल गुप्ता, रोहित भारती, सुनील कुमार केसरवानी सौरभ चौरसिया जितेंद्र जायसवाल, सुनील केसरवानी प्रतीक मालवीय, वेद प्रकाश, विजय कृष्ण मेहता, आदि रहे।

सेवा भारती, प्रयाग दक्षिण भाग की ओर से हनुमान वाटिका धूमनगंज में किया 351 शक्ति स्वरूपा कन्याओं का पूजन वंदन

प्रयागराज। सेवा भारती, प्रयाग दक्षिण भाग की ओर से रविवार को शारदीय नवरात्रि के अवसर पर हनुमान वाटिका सुलेम सराय धूमनगंज में सामूहिक कन्या वंदन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में 351 शक्ति स्वरूपा नन्हीं कन्याओं का विधिवत पूजन किया गया। अधिकतर कन्याएं सेवा भारती के विभिन्न केंद्रों से पहुंची। कन्याओं का आदरपूर्वक चरण धोकर, तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया। उनकी आरती उतारी गई, पुष्प वर्षा की गई तथा पूजन के साथ ही कन्याओं को आकर्षक भेंट भी दी गई। उपहार स्वरूप उन्हें थाली, कटोरी, चम्मच, गिलास, अंगवस्त्र और दक्षिणा वितरित की गई। कन्या वंदन समारोह में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र कार्यवाह वीरेन्द्र रहे। मुख्य अतिथि अलोपशंकरी मंदिर पंचायती अखाड़ा दारागंज प्रयाग के महंत संत यमुनापुरी महाराज और स्वागताध्यक्ष कायस्थ पाठशाला के पूर्व अध्यक्ष समाजसेवी डॉ सुशील सिन्हा, विशिष्ट अतिथि के रूप में संघ के प्रांत सेवा प्रमुख सत्य विजय सिंह और प्रयागराज विभाग के विभाग कार्यवाह डा संजय सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एकल गीत समृद्धि श्रीवास्तव ने कराया। अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र भेंट कर किया गया।

आरएसएस के क्षेत्र कार्यवाह वीरेन्द्र ने संघ के सौ वर्षों की यात्रा की चर्चा की। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक आपदाओं के समय चाहे वह कैसी भी परिस्थिति क्यों न रही हो, समाज में आगे की पंक्ति में खड़े रहे हैं। कहा कि हिंदुओं को संगठित करने के लिए और राष्ट्र को परमवैभव पर ले जाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना आज से सौ वर्ष पहले वर्ष 1925 में पूज्यनीय हेडगेवार ने की थी। मुख्य अतिथि महंत संत यमुनापुरी महाराज ने सनातन संस्कृति में कन्या पूजन के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि सेवा भारती विभिन्न प्रकार के सेवा कार्य करती है हमारा देश अनादि काल से शक्ति की उपासना करते हुए आया है।

डॉ सुशील सिन्हा ने कहा कि सेवा भारती प्राकृतिक आपदाओं के समय समाज सेवा का कार्य हमेशा से करती रही है। सेवा भारती का कन्या पूजन का कार्यक्रम बेहद सराहनीय है। उन्होंने सेवा भारती प्रयाग दक्षिण भाग के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। अतिथियों का अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत सेवा भारती के महामंत्री पवन श्रीवास्तव, विभाग सेवा प्रमुख वीर कृष्ण श्रीवास्तव और प्रभारी शासकीय अधिवक्ता उच्च न्यायालय पतंजलि मिश्रा ने किया। संचालन सेवा भारती के विभाग के अध्यक्ष सुजीत सिंह ने किया। आभार ज्ञापन सेवा भारती प्रयाग दक्षिण भाग के अध्यक्ष अमित कुमार ने किया। इस मौके पर अपर महाधिवक्ता अशोक मेहता, मुख्य स्थाई अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह, शीतला प्रसाद गौड़, जे एन मौर्या, विभाग प्रचारक सुबंधु, जिला प्रचारक डा देवदत्त, पूर्व प्रधानाचार्य और सेवा भारती के संरक्षक डा एस पी सिंह, मंत्री डा संतोष कुमार सिंह, भाग सेवा प्रमुख सत्येंद्र तिवारी, सह भाग सेवा प्रमुख देवेश, सुनील कुमार सिंह, नरेंद्र श्रीवास्तव, कृष्ण दत्त मिश्र, संतोष मिश्रा, विजय पांडेय, एच सी मिश्रा, संदीप चौधरी, डा कंचन चौधरी, रविनाथ तिवारी, मानव चौरसिया आदि मौजूद रहे।

अमर शहीद भगत सिंह की जयंती पर नमन

स्वतंत्रता केवल बाहरी बंधनों से मुक्त होना ही नहीं, बल्कि अन्याय असमानता और अज्ञान से भी मुक्ति पाना : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

प्रयागराज/ऋषिकेश। आज का दिन भारतीय इतिहास और आध्यात्मिक साधना, दोनों ही दृष्टियों से अत्यंत पावन और प्रेरणादायी है। आज अमर शहीद भगत सिंह की जयंती है, जिन्होंने अपने निर्भीक साहस, अद्भुत त्याग और न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। भगत सिंह एक क्रांतिकारी तो थे ही साथ ही वे विचारों के योद्धा भी थे। उनकी कलम और उनकी आवाज ने जितना झकझोरा, उतना ही उनके साहसिक कदमों ने ब्रिटिश साम्राज्य को हिला डाला। उनका उद्घोष 'इंकलाब जिंदाबाद' आज भी हमारे रगों में जोश और जागरूकता भरता है। उनकी शहादत हमें यह सिखाती है कि स्वतंत्रता केवल बाहरी बंधनों से मुक्त होना नहीं है, बल्कि अन्याय, असमानता और अज्ञान से भी मुक्ति पाना है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने आज नवरात्रि के छठे माँ कात्यायनी की पूजा अर्चना करते हुये कहा कि आज के दिन आज्ञा चक्र पर ध्यान केंद्रित कर अपने अन्दर विवेक और आत्मज्ञान की ज्योति को प्रज्वलित करे। माँ कात्यायनी का स्वरूप धर्म की रक्षा और अधर्म के संहार का प्रतीक है। मां के चरणों में ध्यान करने से हमारे भीतर से भ्रम और मोह का अंधकार मिटता है और निर्णय शक्ति प्रखर होती है। माँ का संदेश स्पष्ट है, अन्याय और अधर्म के विरुद्ध खड़ा होना ही सच्ची भक्ति है।

स्वामी ने कहा कि आज हमें दोनों प्रेरणाओं को एक सूत्र में पिरोना है। भगत सिंह का बलिदान हमें सिखाता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और उसके लिए किसी भी प्रकार का त्याग छोटा नहीं है। माँ कात्यायनी का आशीर्वाद हमें यह शक्ति देता है कि हम अपने जीवन में सही और गलत का भेद कर सकें, साहसपूर्वक सत्य का पक्ष लें और अपने कार्यों से समाज में प्रकाश फैलाएँ।

स्वामी ने कहा कि भगत सिंह जैसे महानायक केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हर भारतीय के अंतर्मन में जागृति का दीपक जलाने वाले आदर्श हैं। यह समय है कि हम बच्चों के हाथों में पत्थर नहीं, बल्कि पुस्तकें दें, उनके दिलों में नफरत नहीं, बल्कि देशभक्ति और सेवा की भावना बोएँ। यही शहीद भगत सिंह को हमारी ओर से सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आइए, इस पावन अवसर पर संकल्प लें कि हम अपने जीवन को देश और धर्म की रक्षा हेतु समर्पित करेंगे। आज की परमार्थ गंगा आरती शहीद भगत सिंह की जयंती पर उन्हें समर्पित की।

भगत सिंह की 118 वीं जयंती पर प्रयागराज जनपद के जॉर्ज टाऊन स्थित न्यू अपना ब्लड बैंक का हुआ उद्घाटन

70 यूनिट हुई केंद्र में जमा, 24 घंटे होगी रक्त आपूर्ति

प्रयागराज। शहीद भगत सिंह की 118 वीं जयंती पर जॉर्ज टाऊन स्थित न्यू अपना ब्लड बैंक का उदघाटन हुआ। मीडिया से रूबरू होते हुए संचालक प्रसिद्ध सर्जन डॉ सुनील विश्वकर्मा ने बताया कि जेडी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा अन्दावा स्थित अपना ब्लड बैंक से अब तक 10000 मरीजों की मदद की जा चुकी है और लगातार बढ़ते मरीजों को देखते हुए आज शहीद भगत सिंह जयंती के मौके पर मेडिकल कॉलेज के पास जॉर्ज टाऊन क्षेत्र में न्यू अपना ब्लड सेंटर का उद्घाटन किया गया। मोती लाल नेहरू हॉस्पिटल के सह प्राचार्य प्रसिद्ध सर्जन डॉ संतोष सिंह ने बताया कि आज से न्यू अपना चैरिटेबल ब्लड सेंटर समाज को समर्पित है। रक्तकेंद्र 24 घंटे प्रतिदिन सेवा में उपलब्ध रहेगा। सरकारी नियमों के अनुसार प्रति यूनिट शुल्क क्रमशः पैक्ड रेड ब्लड सेल 1450, प्लाज्मा 400, प्लेटलेट्स 400 रूपये में दी जाएंगी। और थैलेसीमिया, सिक सेल एनीमिया जैसी निरन्तर रक्त जरूरत पड़ने वाली जटिल बीमारियों के लिए निःशुल्क रक्त मुहैया कराया जाएगा।

राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संगठन के अध्यक्ष एवं प्रबंधक अपना ब्लड बैंक निखिल श्रीवास्तव और प्रबंधक वीरेंद्र सिंह द्वारा शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रक्तदान शिविर की शुरुआत की गई..!!

सर्वप्रथम प्रसिद्ध लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ सुनील विश्वकर्मा और मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सह प्राचार्य डॉ संतोष सिंह ने रक्तदान किया और फिर रक्तवीरों के हुजूम ने एक एक करके रक्तदान कर लोगों की जान बचाने का प्रण लिया..!! सभी रक्तवीरों को सर्टिफिकेट, टीशर्ट, मग देकर सम्मानित किया गया..!!

वृक्षारोपण अभियान सम्पन्न

प्रयागराज। क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट समिति द्वारा इस मानसून सत्र का 14वाँ वृक्षारोपण अभियान भवानी बालिका इंटर कालेज, बल्लूपुर, देहरादून में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 50 से अधिक वृक्षों का रोपण किया गया। लगाए गए वृक्षों में नीम, पिलखन, अर्जुन, सिल्वर ओक, कनेर, बॉटल ब्रश, इत्यादि के वृक्ष शामिल किए गए।

समिति द्वारा इस वर्ष अभी तक 2300 से अधिक वृक्षों का रोपण सफलतापूर्वक किया जा चुका है। भवानी बालिका इंटर कॉलेज की प्रिंसिपल ने समिति से अपने स्कूल के खाली पड़े मैदान ने वृक्षारोपण किए जाने हेतु समिति से आग्रह किया जिसे स्वीकार करते हुए समिति ने यहां वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम किया।

बीते माह में उत्तराखंड और देहरादून में अत्यधिक वर्षा के कारण प्रकृति को बहुत नुकसान पहुंचा है जिसकी भरपाई समिति क्लीन एंड ग्रीन एनवायरमेंट द्वारा वृक्षों को लगाकर किया जा रहा है। स्कूल प्रबंधन द्वारा समिति के प्रयासों की सराहना की गई और लगाए गए वृक्षों की देखरेख करने का वायदा किया गया।

इस वृक्षारोपण अभियान में समिति के अध्यक्ष राम कपूर, उपाध्यक्ष रणदीप अहलूवालिया, सचिव जे पी किमोठी, कोषाध्यक्ष शंभू शुक्ला, मनोज श्रीवास्तव, दीपक सिंह, अमरनाथ कुमार, राजेश बाली, सोनिया सिंह तथा पीयूष निगम प्रकाश गोदियाल, उपस्थित रहे।

शिक्षा से ही समाज का विकास : डॉ उदय प्रताप सिंह

शिक्षा एवं समाज के क्षेत्र में ब्रिटेन में अवार्ड प्राप्त करने पर डॉक्टर उदय प्रताप सिंह का किया सम्मान

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति के द्वारा हर्षवर्धन नगर मीरापुर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर समिति के महामंत्री अभिषेक ठाकुर एवं उपाध्यक्ष राजेश केसरवानी के द्वारा शिक्षा एवं समाज के क्षेत्र में ब्रिटेन से पुरस्कृत ठाकुर हरनारायण सिंह ग्रुप आफ कॉलेज के डायरेक्टर डॉक्टर उदय प्रताप सिंह का प्रयागराज आगमन पर स्वागत करते एवं सम्मानित किया गया।

इस अवसर डॉ उदय प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा से समाज का पूर्ण विकास संभव है इसलिए शिक्षा के क्षेत्र में भारत को अग्रणी करने के लिए देश के हर बच्चों को शिक्षा प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि समाज के अंदर कमजोर वर्ग के लोग अपने बच्चों को पैसों को दिक्कत के कारण उच्च स्तरीय शिक्षा नहीं दे पा रहे हमारा पूरा प्रयास रहेगा कि हम ऐसे बच्चों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान कर सके और सही मायने स्वयं में यही एक सच्चा अवार्ड होगा।

इस अवसर समिति के महामंत्री अभिषेक ठाकुर ने कहा कि डॉक्टर उदय प्रताप सिंह को ब्रिटेन से अवार्ड प्राप्त होने पर प्रयागराज का गौरव बढ़ा है जो गर्व की बात है। इस अवसर पर निखिल पांडे, कमल शुक्ला, यीशु अग्रहरि, आकाश गुप्ता, बबलू जितेन सिंह, निवेश मित्तल, रजत सोनकर, सौरभ यादव, सत्यम केसरवानी, आदि समिति के कार्यकर्ता रहे।

2 साल से बंद पड़ी पालिका स्कूल, बच्चों का भविष्य अंधेरे में, अब बना नशेड़ियों का अड्डा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी । भिवंडी महानगर पालिका की लापरवाही ने सैकड़ों बच्चों के भविष्य को अधर में लटका दिया है। दो साल से बंद पड़ी चौथा निजामपुरा, चाँद तारा मस्ज़िद स्थित पालिका स्कूल क्रमांक 7, 8, 27 और 29 आज खंडहर में तब्दील हो चुकी हैं। कभी शिक्षा का मंदिर रही यह इमारत अब गाड़ियों की पार्किंग और नशेड़ियों का अड्डा बन गई है।

गौरतलब हो कि 1969 में बनी इस इमारत को जर्जर घोषित कर पालिका प्रशासन ने अचानक बंद कर दिया। बच्चों को दूसरे स्कूलों में भेज दिया गया, लेकिन तब से लेकर आज तक स्कूल दोबारा शुरू नहीं हुआ। नतीजा–गरीब और मजदूर वर्ग के बच्चों को या तो लंबी दूरी तय कर पढ़ाई करनी पड़ रही है या फिर वे पूरी तरह शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। निजी स्कूलों की फीस भरना उनके परिवारों के बस की बात नहीं है। कांग्रेस नेता और भिवंडी शहर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष शहनवाज करीमुल्लाह मोमिन ने पालिका प्रशासन को निवेदन पत्र देकर चेतावनी दी है कि या तो बंद स्कूल तुरंत शुरू किए जाएं, या फिर खाली पड़ी जमीन पर महाविद्यालय खोला जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि ' पालिका प्रशासन के पास एक ही गटर नाले को बार-बार बनाने के लिए पैसा है, लेकिन बच्चों की पढ़ाई के लिए नहीं। गरीब बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ जानबूझकर किया जा रहा है।'स्थानीय नागरिकों का भी कहना है कि प्रशासन केवल आश्वासन देता है, मगर जमीनी कार्रवाई शून्य है। कुछ माह पहले तो स्कूल में रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज तक आग के हवाले कर दिए गए। अब इलाके के लोग खुलेआम आरोप लगा रहे हैं कि महानगर पालिका की उदासीनता और भ्रष्ट रवैये के चलते शिक्षा का मंदिर बरबादी का गढ़ बन गया है। लोगों ने साफ चेतावनी दी है–अगर बंद पड़ी स्कूलें जल्द चालू नहीं हुईं, तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। भिवंडी की बढ़ती आबादी और घटते शैक्षणिक अवसरों को देखते हुए यह मामला स्थानीय राजनीति का बड़ा मुद्दा बन चुका है।

श्मशान भूमि बस्ती से सटी, लेकिन सुविधाओं के बिना बेकार - नागरिकों में आक्रोश

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक के पास स्थित अजय नगर क्षेत्र की हिंदू श्मशान भूमि बदहाल हालात में है। यहां दफन भूमि तो मौजूद है, लेकिन पेयजल, शेड, शवदाह की उचित व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अंतिम संस्कार के लिए उन्हें दूर-दराज जाना पड़ता है। बरसात में हालात और भी विकट हो जाते हैं, श्मशान भूमि तक जाने वाली सड़क टूट-फूट का शिकार है, वहीं परिसर में परिजनों के बैठने की जगह, शौचालय और पानी की सुविधा तक उपलब्ध नहीं है। देवेंद्र दालय्या येरेरा सहित क्षेत्र के अन्य निवासियों ने भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका को ज्ञापन देकर कहा है कि 'श्मशान भूमि में दफन भूमि दी गई है, लेकिन सुविधाओं के अभाव में उसका कोई उपयोग नहीं हो पा रहा।'नागरिकों ने सवाल उठाया है कि जब शहर में लाखों की आबादी के बीच श्मशान भूमि उपलब्ध है, तो उसे सुविधाओं से वंचित रखना प्रशासन की गंभीर लापरवाही है। उनका कहना है कि 'जीवन में तमाम कठिनाइयों का सामना कर लिया जाता है, लेकिन अपनों को सम्मानजनक अंतिम संस्कार न दे पाना असहनीय है।' लोगों ने पालिका प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द श्मशान भूमि को विकसित कर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। नागरिकों का कहना है कि यह सिर्फ सुविधा का नहीं, बल्कि संवेदनशीलता का भी सवाल है।

बिजनौर में पटाखा फैक्टरी में आग लगने से तीन श्रमिक झुलसे

बिजनौर। बिजनौर जिले के नहटौर थाना क्षेत्र के सीकरी खुर्द जंगल में रविवार सुबह एक पटाखा फैक्टरी में आग लगने से तीन मजदूर झुलस गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, पटाखा फैक्टरी में बारूद के घर्षण से विस्फोट और आग लगने से तीन श्रमिक झुलस गए और तीनों की हालत स्थिर है। आग पर काबू पा लिया गया है। धामपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अभय कुमार पांडेय ने बताया कि रविवार सुबह लगभग साढ़े सात बजे सीकरी खुर्द जंगल में भूदेव सिंह की पटाखा फैक्टरी मे एक मजदूर के हाथ से बारूद का सामान छूट जाने के कारण तेज धमाका हुआ और इसके बाद आग लग गई। धमाके के कारण फैक्टरी के टिनशेड के परखच्चे उड़ गए। उन्होंने बताया कि सूचना पाकर पहुंचे अग्निशमन विभाग ने आग पर काबू पा लिया। पांडेय ने बताया कि श्रमिक आशीष, बालेश और अरुण इस घटना में झुलस गए। बालेश और अरुण मामूली रूप से झुलसे हैं और दोनों की स्थिति सामान्य है, जबकि आशीष के हाथ और पैर में जख्म हैं।

गाँवों के जीवन को चित्रित करने वाले लेखक भास्कर चंदनशिव का निधन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। वरिष्ठ लेखक भास्कर चंदनशिव, जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से ग्रामीण जीवन को चित्रित किया, का निधन हो गया है। उनकी कहानी 'लाल चिखल' महाराष्ट्र के घर-घर तक पहुँच चुकी थी। भास्कर चंदनशिव का शनिवार को इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन से साहित्य जगत में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है।

भास्कर चंदनशिव का शनिवार को निधन हो गया। लातूर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। भास्कर चंदनशिव अपनी लेखनी के लिए प्रसिद्ध थे। भास्कर चंदनशिव 28वें मराठवाड़ा साहित्य सम्मेलन धाराशिव के अध्यक्ष थे। उन्होंने राष्ट्रीय किसान साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। उनके कहानी संग्रह जम्भलधव (1980), मरणकला (1983), अंगारमाटी (1991), नवी वरुल (1992), बिरदम (1999) बहुत लोकप्रिय हुए। सूखे, किसान जीवन और ग्रामीण जीवन में सामाजिक संघर्ष पर उनकी रचनाएँ हृदयस्पर्शी थीं। लाल चिखल इस कहानी संग्रह का एक उदाहरण है।

भास्कर चंदनशिव के बारे में

भास्कर चंदनशिव का असली नाम भास्कर देवराव यादव था। उनका जन्म 12 जनवरी 1945 को उस्मानाबाद जिले के हासेगांव (तहसील-कालंब) में हुआ था। गोद लिए जाने के कारण भास्कर देवराव यादव बाद में भास्कर तात्याबा चंदनशिव के नाम से जाने गए। उन्होंने 20 वर्ष की आयु में लेखन शुरू किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कलंब में प्राप्त की। उसके बाद, वे आगे की शिक्षा के लिए अंबाजोगाई चले गए। एम.ए. की डिग्री प्राप्त करने के लिए वे छत्रपति संभाजी नगर गए। उन्होंने 1972 में एक वरिष्ठ महाविद्यालय में मराठी प्राध्यापक के रूप में कार्य किया। वे 2005 में बलभीम महाविद्यालय, बीड से सेवानिवृत्त हुए। उसके बाद, उन्होंने कलंब में बसने का निर्णय लिया। साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान को राज्य स्तर पर भी मान्यता मिली। वे कुछ समय के लिए महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृति परिषद के सदस्य भी रहे।

कई पुरस्कारों से सम्मानित

भास्कर चंदनशिव को अब तक कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें आचार्य अत्रे पुरस्कार, दलितमित्र पुरस्कार, महाराष्ट्र फाउंडेशन का ग्रामीण साहित्य पुरस्कार और महाराष्ट्र सरकार का उत्कृष्ट साहित्य पुरस्कार प्रदान किया गया है।

खुले व स्कैप ट्रकों से कचरा ढुलाई, भ्रष्टाचार की गंध में सड़ रहा है भिवंडी!

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगर पालिका में लागू प्रशासक राज अब भ्रष्टाचार की ढाल बन चुका है। अधिकारी-कर्मचारी मनमानी पर उतरे है और ठेकेदारों की जेबें भरने का खेल खुलेआम चल रहा है। नये डीपी प्लान, गटर निर्माण और सड़क मरम्मत में करोड़ों का घोटाला करने के बाद अब कचरा ढुलाई का काम भी भ्रष्टाचार की बलि चढ़ चुका है।

पालिका क्षेत्र में कचरा उठाने का ठेका निजी कंपनी को दिया गया है। नियमों के अनुसार आधुनिक बंद गाड़ियों (आरसीएम) से कचरा उठाना अनिवार्य था, मगर पालिका अधिकारियों की मेहरबानी से ठेकेदार खुले व जर्जर स्कैप ट्रकों से कचरा ढुलाई कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि इन ट्रकों के चालक तक बिना वैध लाइसेंस के गाड़ियाँ दौड़ा रहे है। सवाल यह उठता है कि जब गाड़ियाँ ही अवैध हैं, तो ठेका पास कराने में कितनी मोटी रकम का खेल हुआ होगा ? जानकार बताते हैं कि इस ठेके में हर महीने लाखों रुपये की हेराफेरी हो रही है। बंद गाड़ियों का बिल पालिका खातों से पास किया जाता है, जबकि सड़कों पर कबाड़ ट्रक कचरा ढोते नजर आते है। ठेकेदार मोटा मुनाफा कमा रहे हैं और अधिकारी कमीशन की मलाई खा रहे हैं। इस मिलीभगत का नतीजा यह है कि शहर की सड़कों पर बदबू, गंदगी और संक्रमण का माहौल बन गया है। खुले ट्रकों से गिरते कचरे ने वातावरण को जहरीला बना दिया है। डेंगू, मलेरिया और फूड पॉइजनिंग जैसी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं।

अशोक नगर निवासी परमेश्वर अंभोरे का कहना है, 'सुबह घर से निकलते ही कचरे की बदबू नाक में घुस जाती है। बच्चों को स्कूल भेजना भी मुश्किल हो गया है। यह शहर है या कचरे का ढेर ?'

ङ ऑटो ड्राइवर रहमान शेख बताते हैं, 'खुले ट्रकों से कचरा सड़क पर गिरता है। बदबू और मच्छरों के कारण यात्री उलटियाँ करने लगते हैं। कई बार ऑटो रोककर ट्रक निकलने का इंतजार करना पड़ता है।'

ङ भोईवाड़ा के व्यवसायी फैयाज़ कुरैशी गुस्से में कहते हैं, 'यह सब अधिकारी और ठेकेदारों की मिलीभगत है। जनता से टैक्स वसूलते हैं और बदले में गंदगी व बीमारी देते हैं।'

ङ एक पूर्व नगरसेवक ने कहा कि शासन से भेजे गए अधिकारी पालिका मुख्यालय में बैठकर केवल फाइलों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित हैं। उन्हें न शहर की दुर्गंध की परवाह है और न ही नागरिकों के स्वास्थ्य की।

जिला खनिज फाउंडेशन द्वारा कॉफी टेबल बुक का अनावरण

औद्योगिक विकास से समृद्ध अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

चंद्रपुर और गढ़चिरौली औद्योगिक आकर्षण के केंद्र के रूप में उभर रहे हैं

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

चंद्रपुर। जिला खनिज फाउंडेशन निधि के माध्यम से चंद्रपुर जिले में कई प्रमुख पहलों को क्रियान्वित किया जा रहा है। इनमें टाटा ट्रस्ट्स के सहयोग से एक कैंसर अस्पताल, कौशल-आधारित रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढाँचा विकास, शिक्षा और नवीन परियोजनाएँ शामिल हैं। विशेष रूप से, चंद्रपुर और गढ़चिरौली औद्योगिक आकर्षण के केंद्र के रूप में उभर रहे हैं, और औद्योगिक विकास ही समृद्ध अर्थव्यवस्था का मार्ग प्रशस्त करेगा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा।

वे मूल (चंद्रपुर) स्थित विश्राम गृह में जिला खनिज फाउंडेशन द्वारा तैयार की गई कॉफी टेबल बुक के अनावरण के अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर आदिवासी विकास मंत्री एवं चंद्रपुर के पालक मंत्री डॉ. अशोक उइके, विधायक सुधीर मुनगंटीवार, किशोर जोरगेवार, देवराव भोंगले, जिला कलेक्टर विनय गौड़ा, सीईओ पुलकित सिंह, अपर कलेक्टर डॉ. नितिन व्यवहारे, जिला खनन अधिकारी रोहन थावरे और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य खनन प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों को खनिज निधि से लाभान्वित करना है। उन्होंने आगे कहा, 'चूँकि खनन और परिवहन स्थानीय लोगों के लिए असुविधा का कारण बनते हैं, इसलिए उन्हें सबसे पहले इसका लाभ मिलना चाहिए।' चंद्रपुर जिले ने खनिज क्षेत्र में कई सराहनीय पहल की हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि खनिज विकास निधि के अंतर्गत रोज़गार सृजन, स्वास्थ्य, विकास, शिक्षा और कौशल-आधारित नवाचार पर केंद्रित परियोजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जा रहा है।

चंद्रपुर और गढ़चिरौली को औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे 1.5 लाख लोगों के लिए रोज़गार सृजित होने की उम्मीद है। पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हुए विकास कार्य किया जाएगा। 'औद्योगीकरण के साथ-साथ, चंद्रपुर को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना चाहिए। कौशल विकास और रोज़गार पर ज़ोर देकर, स्थानीय लोगों के लिए शत-प्रतिशत रोज़गार सुनिश्चित करने हेतु एक व्यवस्था बनाई जाएगी,' मुख्यमंत्री फडणवीस ने आश्वासन दिया।

50 करोड़ के वृक्षारोपण अभियान के सफल समापन पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने यह भी अपेक्षा व्यक्त की कि चंद्रपुर एक बार फिर वृक्षारोपण में एक बड़ा लक्ष्य निर्धारित करेगा। महाराष्ट्र भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है जिसने अपने हरित आवरण को बढ़ाया है, जिससे उसका प्राकृतिक परिवेश समृद्ध हुआ है। अब, राज्य के वन आवरण को 33 प्रतिशत से ऊपर बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने खनिज विकास निधि के माध्यम से चंद्रपुर जिला प्रशासन द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों की भी प्रशंसा की।

कार्यक्रम का संचालन अपर कलेक्टर डॉ. नितिन व्यवहारे ने किया, जबकि जिला कलेक्टर विनय गौड़ा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

दिल्ली में IGI एयरपोर्ट समेत कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल से हड़कंप, जांच शुरू

नई दिल्ली। रविवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम की धमकी वाला एक ईमेल मिला, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आईजीआई के अलावा, शहर के कुछ स्कूलों और कई अन्य संस्थानों को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले हैं। ये ई-मेल सुबह लगभग 6 बजे के आसपास भेजे गए। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि धमकी अस्पष्ट थी और इससे हवाई अड्डे के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

स्कूलों में भी मिली धमकी, बाद में अफवाह निकली

बम की धमकियों का यह नया सिलसिला उसी दिन शुरू हुआ जब इससे पहले दिल्ली के दो स्कूलों को भी इसी तरह के ईमेल मिले थे, जिन्हें बाद में अफवाह घोषित कर दिया गया।

एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन स्कूलों को ये धमकियां मिलीं, उनमें द्वारका स्थित सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल और कुतुब मीनार के पास एक सर्वोदय विद्यालय शामिल थे।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस दल, अग्निशमन कर्मी और बम निरोधक इकाइयों को तुरंत प्रभावित स्कूलों में तैनात किया गया था। हालांकि, तलाशी अभियान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

गौरतलब है कि हाल के महीनों में दिल्ली और उसके आसपास के विभिन्न संस्थानों को निशाना बनाकर बम की धमकी वाले ईमेल की बाढ़ आ गई है, और जांच के बाद अब तक ये सभी धमकियां अफवाह ही साबित हुई हैं।

ओडिशाः किशोरी से बलात्कार के मामले में 25 वर्षीय व्यक्ति को आजीवन कारावास

मयूरभंज। ओडिशा के मयूरभंज जिले की एक अदालत ने एक किशोरी से बलात्कार के मामले में शनिवार को 25 वर्षीय एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 15 वर्षीय किशोरी पास की एक दुकान से घर लौट रही थी, तभी व्यक्ति उसे जबरन अपने घर ले गया, उसके हाथ रस्सी से बांध दिए और उसके साथ बलात्कार किया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था।

पीड़िता की मां द्वारा बैसिंगा पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। यह घटना पिछले वर्ष नवंबर में हुई। न्यायाधीश संतोष कुमार नायक की विशेष पॉक्सो अदालत ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोषी पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को दो लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश भी दिया।

बांद्रा-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस की दो बोगियां दो बार हुईं अलग, यात्रियों की सुरक्षा पर उठे सवाल

मुंबई। महाराष्ट्र और गुजरात से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां रविवार को एक घंटे के भीतर बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस की बोगियों के दो बार अलग हो जाने की घटनाएं सामने आईं, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। साथ ही उनके सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई।

मामले में रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पहली घटना दोपहर 1:19 बजे महाराष्ट्र के वांगांव और दहानू स्टेशनों के बीच हुई। इस दौरान कोच अलग हो गए और ट्रेन को लगभग 25 मिनट के लिए रोका गया। कोचों को दोबारा जोड़ने के बाद ट्रेन दोपहर 1:46 बजे रवाना हुई। इसके बाद, दूसरी घटना करीब 2:10 बजे गुजरात के संजन स्टेशन पर हुई। यहां भी कोच अलग हो गए, जिसके बाद वलसाड से तकनीकी टीम और इंजन को मौके पर भेजा गया।

कोई हताहत नहीं

इसके साथ ही पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि इन घटनाओं में कोई यात्री घायल नहीं हुआ और न ही ट्रेन को कोई नुकसान पहुंचा। हालांकि, ट्रेन की आगे की यात्रा में देरी जरूर हुई। रेलवे ने बताया कि बार-बार कोच अलग होने के पीछे की तकनीकी वजहों की जांच की जा रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितनी बोगियां अलग हुईं और इसके पीछे का कारण क्या था।

पैरा चैंपियनशिप आइईडी धमाके में पैर गंवाया, अब पैरा तीरंदाजी चैंपियन बने तोमन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दक्षिण कोरिया में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता तोमन कुमार ने छत्तीसगढ़ में 2022 में एक नक्सल विरोधी अभियान के दौरान एक घातक आइईडी विस्फोट में अपना पैर गंवा दिया था लेकिन उन्होंने इसके बाद की चुनौतियों से पार पाते हुए सफलता की ओर कदम बढ़ाए।

केंद्रीय आरक्षी पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 30 वर्षीय कांस्टेबल ने अब तक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी टूर्नामेंट में सात पदक जीते हैं। उन्होंने दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में शनिवार को पुरुषों की कंपाउंड स्पर्धा का खिताब जीता।

तोमन सीआरपीएफ की एक इकाई का हिस्सा थे जिसे देश के सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में से एक दक्षिण बस्तर क्षेत्र में नियुक्त किया गया था। फरवरी 2022 में सीआरपीएफ और नक्सलियों के बीच भारी गोलीबारी के दौरान तोमन आइईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विस्फोट में घायल हो गए।

सीआरपीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह इसमें गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिससे 12 फरवरी 2022 को उसका बायां पैर काटना पड़ा।

उन्होंने कहा, 'तोमन कुमार 2017 में सीआरपीएफ में शामिल हुए थे और जब वह मात्र 26 वर्ष के थे। लेकिन बस्तर में फरवरी में हुई इस मुठभेड़ में शरीर का एक अंग गंवाना पड़ा। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।'

अधिकारी ने आगे बताया कि वह सीआरपीएफ के एक विशेष सेंटर राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण केंद्र में शामिल हो गए जिसे 2020 में शारीरिक रूप से अक्षमता का सामना करने वाले जवानों के लिए खोला गया था। उन्होंने बताया कि तोमन ने नवंबर 2023 में पैरा तीरंदाजी का अभ्यास शुरू किया और एक साल बाद सितंबर 2024 में उन्हें सीआरपीएफ की केंद्रीय (मुख्य) टीम में शामिल किया गया। तोमन ने तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अलावा, ग्वांगजू सहित चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लिया है।

बीसीसीआई की जूनियर क्रिकेटरों पर सख्ती आईपीएल में डेब्यू से पहले पास करनी होगी घरेलू 'परीक्षा'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने युवा क्रिकेटरों के लिए नया नियम लागू कर सबको चौंका दिया है। अब कोई भी खिलाड़ी सीधे आईपीएल की चकाचौंध में छलांग नहीं लगा पाएगा। आईपीएल में जगह बनाने से पहले उन्हें घरेलू क्रिकेट की 'परीक्षा' पास करनी होगी। यानी रणजी जैसे प्रथम श्रेणी मैच खेलना अब अनिवार्य कर दिया गया है। यह बदलाव न सिर्फ खिलाड़ियों को मजबूत बनाएगा बल्कि भारतीय क्रिकेट की जड़ों को भी और मज़बूत करेगा।

बीसीसीआई ने साफ़ कर दिया है कि अंडर-16 और अंडर-19 क्रिकेटर आईपीएल का हिस्सा तभी बन सकेंगे, जब वे कम से कम एक प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके हों। पहले ऐसा कोई नियम नहीं था, और कई खिलाड़ी सीधे नीलामी या ट्रायल से आईपीएल में एंट्री ले लेते थे।

इस बदलाव के महत्व को समझाने के लिए बीसीसीआई ने राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण दिया। मात्र 13 साल 243 दिन की उम्र में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदे गए वैभव ने डेब्यू से पहले ही बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी में पारी खेली थी। यही वजह है कि वह आईपीएल में सबसे कम उम्र में शामिल होने के बावजूद तैयार नज़र आए। अब तक उन्होंने पाँच प्रथम श्रेणी मैचों में 100 रन बनाए हैं।

बीसीसीआई का मानना है कि आईपीएल की ग्लैमर और प्रतिस्पर्धा का सामना करने से पहले घरेलू स्तर का अनुभव ज़रूरी है। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए भी बेहतर ढंग से तैयार होंगे।

नए नियम के साथ बीसीसीआई ने एक और बड़ा ऐलान किया है–जो खिलाड़ी सीज़न में ज्यादा घरेलू मैच खेलेंगे, उन्हें ज्यादा भुगतान मिलेगा। इसका मकसद है खिलाड़ियों को लगातार खेलते रहने के लिए प्रोत्साहित करना और घरेलू टूर्नामेंटों को गंभीरता से लेने की प्रेरणा देना।

यह कदम भारतीय क्रिकेट के भविष्य को सुरक्षित करने वाला माना जा रहा है। अब हर जूनियर खिलाड़ी के लिए आईपीएल तक का रास्ता घरेलू क्रिकेट से होकर गुज़रेगा। इसका सीधा असर रणजी और दूसरे टूर्नामेंटों की प्रतिस्पर्धा पर भी पड़ेगा, जिससे न केवल खिलाड़ियों बल्कि भारतीय क्रिकेट की जड़ों को भी मजबूती मिलेगी।

बुल्गारियाई पैरा खिलाड़ी ने रचा इतिहास विश्व रिकॉर्ड तोड़कर जीता लगातार छठा स्वर्ण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। खेलों की दुनिया में कुछ नाम सिर्फ जीतने के लिए नहीं, बल्कि इतिहास बदलने के लिए जाने जाते हैं। बुल्गारिया के पैरा शॉटपुट स्टार रुज़्दी ने ऐसा ही कमाल कर दिखाया। दुबई में हो रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने न केवल लगातार छठा स्वर्ण पदक जीता, बल्कि अपने ही बनाए विश्व रिकॉर्ड को ध्वस्त कर नई ऊँचाई छू ली। उनका यह कारनामा खेल प्रेमियों के लिए प्रेरणा से कम नहीं।

34 वर्षीय रुज़्दी रविवार को पुरुषों की शॉटपुट एफ 55 स्पर्धा में उतरे तो सबकी निगाहें उन पर थीं। आखिरी और छठे प्रयास में उन्होंने 12.94 मीटर की शानदार थ्रो लगाई। यह दूरी उनके ही 2023 पेरिस विश्व चैंपियनशिप में बनाए 12.68 मीटर के रिकॉर्ड से कहीं आगे थी। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पैरा शॉटपुट में अपना दबदबा और मज़बूत कर दिया।

दूसरे दिन सुबह के सत्र में रुज़्दी के अलावा भी तीन नए विश्व रिकॉर्ड बने।

मलेशिया के अब्दुल लतीफ रोमली ने पुरुषों की लंबी कूद टी -20 में 7.67 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता और अपनी हैट्रिक पूरी की।

यूक्रेन के वोलोडिमिर पोनोमारेंको ने शॉटपुट टी12 में 17.39 मीटर फेंककर नया रिकॉर्ड बनाया।

अल्जीरिया की नसीमा सैफी ने महिलाओं की डिस्कस थ्रो एफ57 स्पर्धा में 34.54 मीटर का थ्रो लगाकर लगातार छठा स्वर्ण अपने नाम किया।

रुज़्दी की सफलता सिर्फ खेल की उपलब्धि नहीं, बल्कि इंसानी जज़्बे की कहानी है। एक कार दुर्घटना में उनके कमर से नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया था। लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय खेल को अपनी नई पहचान बना लिया। 2015 दोहा से शुरू हुई उनकी स्वर्ण यात्रा अब तक हर संस्करण में जारी है। यह तीसरी बार है जब उन्होंने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

एनटीपीसी ने 2024-25 के लिए सरकार को 3, 248 करोड़ रुपए का अंतिम लाभांश दिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतिम लाभांश के रूप में बिजली मंत्रालय को 3, 248 करोड़ रुपए का भुगतान किया। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एनटीपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने निदेशक मंडल के साथ 25 सितंबर को बिजली सचिव पंकज अग्रवाल की उपस्थिति में बिजली मंत्री मनोहर लाल को अंतिम लाभांश सौंपा। बयान में कहा गया कि यह राशि नवंबर 2024 में 2, 424 करोड़ रुपए के पहले अंतरिम लाभांश और फरवरी 2025 में दिए गए 2, 424 करोड़ रुपए के दूसरे अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है। इस तरह वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भुगतान किया गया कुल लाभांश 8, 096 करोड़ रुपए है, जो 10 रुपए अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 8.35 रुपए बैठता है। यह लगातार 32वां वर्ष है, जब एनटीपीसी लिमिटेड ने लाभांश का भुगतान किया।

कमजोर रुपए और शेयर बाजार की गिरावट के बीच गोल्ड-सिल्वर की बढ़ी मांग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत में सोना और चांदी हमेशा से निवेशकों के लिए सुरक्षित और पारंपरिक विकल्प माने जाते हैं। जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव या रुपए में कमजोरी आती है, निवेशक अपनी पूंजी को सुरक्षित रखने के लिए सोने और चांदी की ओर रुख करते हैं। इसी कारण बीते सप्ताह में रुपए की गिरावट और शेयर बाजार में कमजोरी के बीच सोने-चांदी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली। कमजोर रुपए और वैश्विक बाजार से मिले समर्थन के चलते सोने की कीमतों में तेज़ी दर्ज की गई। हफ्तेभर में सोना लगभग 800 से 1, 000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि फेस्टिव सीजन के करीब आने के कारण भी मांग में वृद्धि हुई, जिससे सोने की कीमतों को मजबूती मिली।

सोने के साथ-साथ चांदी में भी उछाल आया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर के कमजोर पड़ने और इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ने के कारण चांदी की कीमत हफ्तेभर में 1, 500 से 2, 000 रुपए प्रति किलो तक बढ़ गई। घरेलू बाजार में यह निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

बीते दिनों भारतीय रुपए ने डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोरी दिखाई। गुरुवार को एक डॉलर की कीमत 88.76 रुपए तक पहुंच गई। चूंकि भारत में सोना और चांदी का बड़ा हिस्सा आयात किया जाता है, रुपए के मूल्य में गिरावट सीधे इन धातुओं की कीमतों को बढ़ा देती है। सेंसेक्स और निफ्टी में इस हफ्ते भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स और निफ्टी लगभग 3इ नीचे बंद हुए, जबकि निफ्टी बैंक 2इ टूटा। आईटी सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित रहा, निफ्टी आईटी इंडेक्स 8इ गिरा और टीसीएस ने पांच साल में सबसे खराब साप्ताहिक प्रदर्शन दिया। कुल मिलाकर 43 निफ्टी शेयर नुकसान में रहे और बीएसई लिस्टेड कंपनियों की मार्केट कैप में लगभग 16 लाख करोड़ रुपए की कमी आई। इस गिरावट ने निवेशकों को सुरक्षित विकल्प की ओर आकर्षित किया, जिससे सोना और चांदी की कीमतों में तेजी बनी रही।

अमेरिकी शुल्क भारत की वृद्धि के लिए बड़ा जोखिम : क्रिसिल इंटेलिजेंस

कोलकाता। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने अपनी सितंबर की रिपोर्ट में कहा कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के उच्च शुल्क लगाने से देश की वृद्धि के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि शुल्क भारतीय वस्तुओं के निर्यात और निवेश दोनों को प्रभावित करेंगे। हालांकि, क्रिसिल इंटेलिजेंस ने यह भी कहा कि कम मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में कटौती से प्रेरित घरेलू खपत से वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

देश की जीडीपी वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 7.4 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति के चालू वित्त वर्ष में पिछले वर्ष के 4.6 प्रतिशत से घटकर 3.5 प्रतिशत रहने की संभावना है। इसमें यह भी कहा गया कि कृषि क्षेत्र की अच्छी वृद्धि से खाद्य मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहने की उम्मीद है, हालांकि अत्यधिक वर्षा के प्रभाव का अभी पूरी तरह से आकलन नहीं किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि कच्चे तेल की कम कीमतों और वैश्विक स्तर पर जिंस कीमतों में नरमी से गैर-खाद्य मुद्रास्फीति पर लगाम लगने की उम्मीद है।

एशिया कप : फाइनल से पहले विवाद, पाकिस्तान ने भारतीय तेज गेंदबाज के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एशिया कप 2025 का रोमांच अपने चरम पर है, लेकिन मैदान पर भिड़ंत से पहले ही भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह सुर्खियों में आ गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उन पर सुपर-फोर मुकाबले के दौरान दर्शकों के प्रति 'अश्लील हावभाव' करने का आरोप लगाते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद में शिकायत दर्ज कराई है। अर्शदीप, जो इस वक्त भारत के सबसे सफल टी20आई गेंदबाज माने जाते हैं, अब विवादों के घेरे में हैं। फाइनल से पहले यह मसला दोनों देशों के बीच पहले से ही गरमाए माहौल को और भड़का रहा है। समा टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, 21 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत-पाक मैच के दौरान अर्शदीप का व्यवहार पीसीबी को खटका। आरोप है कि उन्होंने दर्शकों की ओर अनुचित इशारे किए। पीसीबी का कहना है कि इस हरकत ने क्रिकेट की छवि धूमिल की और यह आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन है। इसी आधार पर बोर्ड ने आईसीसी से सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है।

भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला फाइनल पहले से ही हाई-वोल्टेज मुकाबला माना जा रहा है। लेकिन अर्शदीप पर लगे आरोपों ने मैच का माहौल और तनावपूर्ण बना दिया है। भारतीय खेमे को उम्मीद है कि यह विवाद टीम के मनोबल पर असर नहीं डालेगा, वहीं पाकिस्तानी मीडिया इसे अपनी बड़ी जीत मानकर देख रहा है।

अर्शदीप सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे भरोसेमंद टी20 गेंदबाजों में गिने जाते हैं। पावरप्ले में विकेट निकालना और डेथ ओवरों में रन रोकना उनकी सबसे बड़ी ताकत है। सुपर-फोर मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्होंने अहम मौके पर विकेट लेकर भारत की जीत में योगदान दिया था। अब सवाल यह है कि क्या यह विवाद उनकी लय को प्रभावित करेगा या वे एक बार फिर दबाव में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

गौर करने वाली बात यह है कि अर्शदीप अकेले खिलाड़ी नहीं हैं जिनका नाम विवादों में आया। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पर राजनीतिक टिप्पणी के लिए जुर्माना लगा, जबकि पाकिस्तानी तेज़ गेंदबाज हारिस रऊफ को अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर दंडित किया गया। साहिबज़ादा फरहान को भी उनके जश्न मनाने के तरीके के लिए चेतावनी दी गई।

नियाभर में बज गई खतरे की घंटी, एआई को लेकर दी चेतावनी!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दुनियाभर की कई बड़ी कंपनियों में हाल के महीनों में कर्मचारियों की छंटनी की खबरें सामने आई हैं। अमेज़न, माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस, इंटेल जैसी कंपनियों ने सैकड़ों कर्मचारियों को काम से हटाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से अपनाया जाना और ऑटोमेशन में बदलाव है।

वॉलमार्ट के सीईओ डग मैकमिलन ने भी चेतावनी दी है कि एआई कई नौकरियों को प्रभावित करेगा और वर्कफोर्स की संरचना बदल देगा। उन्होंने कहा, 'आने वाले समय में काम करने के हर पहलू पर एआई का असर देखने को मिलेगा। यह बिल्कुल साफ है कि एआई हर नौकरी को किसी न किसी रूप में बदल देगा।'

मैकमिलन ने कहा कि एआई के बढ़ते प्रभाव से लेबर मार्केट में बदलाव हमारी उम्मीदों से कहीं अधिक होगा। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, फोर्ड, जेपी मॉर्गन चेज और अमेज़न जैसी कंपनियों ने भी इसी तरह की चेतावनी दी है। 2.1 मिलियन कर्मचारियों वाली दुनिया की सबसे बड़ी एम्प्लॉयर कंपनी वॉलमार्ट ने बताया कि अगले तीन सालों में कुल कर्मचारियों की संख्या स्थिर रहेगी, लेकिन कई काम करने के तरीके बदलेंगे और इससे कुछ नौकरियां समाप्त होंगी। पहले ही वेयरहाउस ऑटोमेशन, एआई-ड्रिवेन चैटबॉट और बैकस्टोर ऑटोमेशन में कई जॉब खत्म हो चुकी हैं। वहीं, कुछ नई भूमिकाएं भी उभर रही हैं, जैसे एआई टूल्स बनाने वाले रोल और हाई-टच कस्टमर फेसेसिंग जॉब्स।

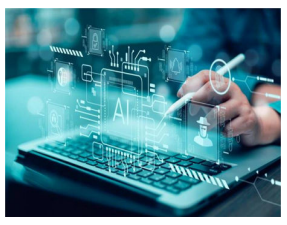

डेढ़ साल में क्यों टूटी अभिषेक बजाज और आकांक्षा जिंदल की शादी? एक्स वाइफ ने किए चौंकाने वाले खुलासे

फेमस रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' जब से शुरू हुआ है, तभी से यह लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इसके लगभग सभी कंटेस्टेंट्स लाइमलाइट का हिस्सा बने हुए हैं। घर के अंदर कई लोगों का बेहतरीन गेम देखने को मिल रहा है, जिसमें अभिषेक बजाज का नाम भी शामिल है। हालांकि, गेम के अलावा उनकी पर्सनल लाइफ भी चर्चा में बनी हुई है। कुछ दिनों पहले अभिषेक और उनकी एक्स वाइफ की तस्वीरें वायरल हुई थी। अब आकांक्षा जिंदल ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने कंटेस्टेंट को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

'बिग बॉस 19' में अभिषेक बजाज और अशनूर कौर के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिल रही है। घर के बाहर और घर के अंदर भी बहुत से लोगों को लग रहा है कि दोनों एक-दूसरे को पसंद कर रहे हैं। हालांकि, अभिषेक-अशनूर लगातार इससे इनकार कर रहे हैं और अपनी बॉन्डिंग को दोस्ती का नाम दे रहे हैं। इसी बीच अब कंटेस्टेंट की एक्स वाइफ आकांक्षा ने उन्हें लेकर काफी सारी चीजें शेयर की है।

विक्की लालवानी को दिए एक इंटरव्यू में आकांक्षा ने बताया कि वह एक-दूसरे को स्कूल के समय से जानते थे। दोनों ने 7 साल तक डेट किया और उसके बाद शादी कर ली। हालांकि, इस शादी के आकांक्षा के घर वाले कुछ ज्यादा खुश नहीं थे। फिर भी वह अपनी बेटी के लिए मान गए।

इसके बाद जब आकांक्षा से सवाल किया गया कि दोनों स्कूल से एक-दूसरे को जानते थे, 7 साल का रिश्ता था, तो फिर ऐसा क्या हुआ कि शादी डेढ़ साल में ही टूट गई। इसके जवाब में अभिषेक की एक्स वाइफ ने कहा, 'चीजें बिल्कुल ही 360 बदल गई मेरे लिए, मैं एक्सेप्ट नहीं कर पा रही थी। जाहिर है उसने धोखा दिया। उसका व्यवहार देख के मुझे समझ आ रहा था कि वह नहीं बदलने वाला है।' इसके आगे उन्होंने कहा, 'हमारे बीच नहीं चल पाएगा। इस समय पर मेरे परिवार ने मुझे बहुत सपोर्ट किया। वह काफी सारी लड़कियों के साथ इन्वॉल्व था। बहुत सारे इंडस्ट्री के लोगों ने मुझे उसके बारे में बताया। मैं एक क्रिएटिव इंसान हूं। मैं आज भी किताबें पढ़ती हूं और मुझे यह बहुत पसंद है। मैं एक क्रिएटर बनना चाहती हूं, लेकिन मुझे उन चीजों को लेकर सपोर्ट नहीं किया गया। मुझसे कहा गया कि तुम्हें इन सबकी इजाजत नहीं है। मुझे समझ में नहीं आता कि शादी में इजाजत होने या नहीं होने का क्या मतलब है।'

इसके आगे आकांक्षा ने बताया कि कैसे उन्हे स्क्रीनशॉट और कुछ चीजें मिली। फिर जब अभिषेक वाल किए, तो वह सच बताने के बजाए विक्टिम कार्ड खेलने लग गए। 'बिग बॉस 19' कंटेस्टेंट अभिषेक अपनी पत्नी के खिलाफ ही सबूत ढूंढने लगे ताकि वो गलत ठहरा सके।

'चांद के सुरतिया', करवाचौथ से पहले वायरल हो रहा शिल्पी राज का ये गाना

करवाचौथ के लिए भोजपुरी गानों का बहुत महत्व है, क्योंकि ये गाने इस त्योहार के दौरान महिलाओं की भावनाओं और पतिव्रता के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाते हैं। ये गाने न केवल सुहागिन महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, बल्कि ये उनके पति की लंबी आयु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए भी गाए जाते हैं। कुछ ही दिनों में करवा चौथ आने वाला है और ऐसे में यूट्यूब पर शिल्पी राज का 'चांद के सुरतिया'गाना काफी वायरल हो रहा है।

ये गाना आरकेके नाम के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है। वैसे तो ये गाना लगभग एक साल पुराना है, लेकिन इसे काफी देखा और पसंद किया जा रहा है। गाने में लड़की करवाचौथ पर चांद का इंतजार कर रही है और अपने पति के चेहरे को देख उसकी तुलना चांद से कर रही है।

इसके अलावा शिल्पी राज का 'चांद और पिया दोनों साथ' करवाचौथ का गाना भी काफी मशहूर है। ये गाना 2021 में रिलीज हुआ था और अब करवाचौथ से पहले फिर से वायरल हो रहा है। इस गाने में शिल्पी राज की आवाज में सुहागिन महिलाओं की भावनाएं और चांद के प्रति उनकी श्रद्धा को दर्शाया गया है। गाने के बोल अर्जुन अजनबी ने लिखे हैं और संगीत आर्या शर्मा ने दिया है। -'साजन की सुहागन', ये गाना करवाचौथ के अवसर पर बहुत लोकप्रिय है, जिसमें पति-पत्नी के प्यार और वैवाहिक जीवन की खुशियों को दर्शाया गया है।

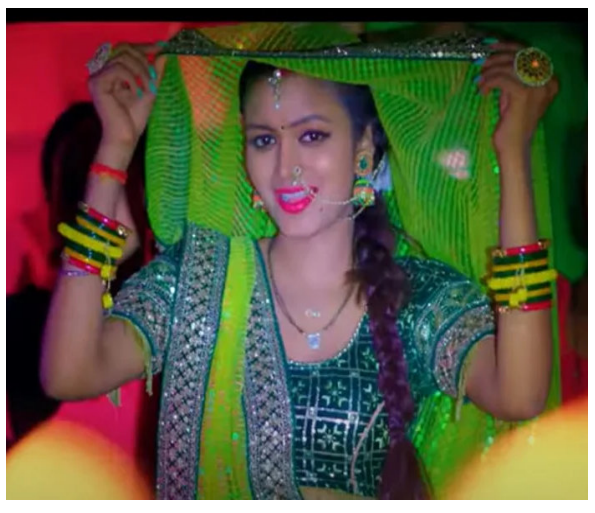

-'बदरी से छेड़ताटे चांद', ये गाना भी करवाचौथ के लिए बहुत प्रसिद्ध है, जिसमें चंद्रमा की पूजा और पति की लंबी आयु की कामना की जाती है।

-'कबहु ना साथ छूटे बलम के', ये गाना पतिव्रता की निष्ठा और पति-पत्नी के अटूट प्रेम को दर्शाता है। आम्रपाली दुबे और मोनालिसा का करवाचौथ गाना,ये गाना बहुत लोकप्रिय है, जिसमें दोनों अभिनेत्रियां अपने पति की लंबी आयु के लिए दुआएं मांग रही हैं और शिव-पार्वती की पूजा कर रही हैं।

'सुरक्षा में चूक और बिजली गुल होने से मची रैली में भगदड़', AIADMK महासचिव पलानीस्वामी का दावा

करूर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर को तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की रैली के दौरान हुई भगदड़ को लेकर अन्नाद्रमुक महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री ई.के. पलानीस्वामी ने पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इस दर्दनाक हादसे की वजह साफ तौर पर सुरक्षा में चूक है। हादसे में 39 लोगों की मौत हो गई और 51 लोग घायल हो गए।

पलानीस्वामी ने कहा कि अगर राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन ने पहले से सावधानी बरती होती तो इस खौफनाक हादसे को टाला जा सकता था। उन्होंने मीडिया रिपोर्ट के आधार पर कहा कि अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके की रैली के दौरान बिजली गुल हो गई, जिससे वहां भ्रम की स्थिति बनी और भगदड़ मच गई। उन्होंने यह भी कहा कि टीवीके ने अब तक चार रैलियां की हैं। ऐसे में उसे सुरक्षा इंतजामों को लेकर पहले से तैयार रहना

चाहिए था।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस को पिछली रैलियों में जुटी भीड़ और करूर की स्थिति को देखकर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए थी। सरकार और टीवीके नेतृत्व को भी इस ओर ध्यान देना चाहिए था। पलानीस्वामी ने करूर के सरकारी अस्पताल में घायलों से मुलाकात की और उनका हाल जाना। उन्होंने कहा कि एक राजनेता को भीड़ पर नजर रखनी चाहिए और किसी भी चूक को तुरंत सुधारना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जनता रैलियों में इस भरोसे के साथ आती है कि पार्टी, सरकार और पुलिस उनकी सुरक्षा ध्यान रखेंगे। इतने लोगों की जान चली गई। यह बहुत ही दुखद और चौंकाने वाली घटना है। उन्होंने हा कि राज्य की दूसरी राजनीतिक पार्टियों की रैलियों में ऐसा कभी नहीं हुआ।

पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि जब उनकी सरकार थी, तब राजनीतिक कार्यक्रमों के दौरान सभी जरूरी एहतियात बरते जाते थे। लेकिन अब की सरकार और पुलिस निष्पक्ष नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस एक तरफ सत्तारूढ़ द्रमुक के कार्यक्रमों में पूरी सुरक्षा देती है। लेकिन विपक्ष को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है।

त्योहारों के दौरान अराजकता फैलाने वालों को ऐसी सजा मिलेगी कि पीढ़ियां याद रखेंगीः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी अराजक हरकत के ऐसे परिणाम होंगे जिन्हें आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी।

मुख्यमंत्री कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद यहां एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

आदित्यनाथ ने कहा, अगर कोई त्योहारों के आनंद और उत्साह के दौरान उत्पात मचाने की कोशिश करेगा, तो उसे इस उत्पात की ऐसी कीमत चुकानी पड़ेगी कि आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। उन्होंने कहा, 'कुछ लोग भारत में रहते हैं लेकिन गजवा ए हिंद का नारा लगाकर भारत के अंदर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं।'

आदित्यनाथ ने कहा, गजवा-ए-हिंद हिंदुस्तान की धरती पर नहीं होने दिया जाएगा। गजवा-ए-हिंद की कल्पना या उसका सपना देखना भी नर्क का रास्ता बना देगा। अगर कोई नर्क जाना चाहता है, तो वह गजवा-ए-हिंद के नाम पर अराजकता फैलाने का प्रयास करके दिखाए। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अराजकता को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, जो कोई भी कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा, जो कोई भी किसी राहगीर पर हमला करेगा, जो कोई भी किसी बेटी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने की कोशिश करेगा, और... जो कोई भी त्योहारों के दौरान पत्थरबाजी करेगा, हम उसे नर्क का एकतरफा टिकट देंगे।

बरेली में 26 सितंबर को हिंसक झड़प होने के बाद उन्होंने यह चेतावनी दी। जुमे की नमाज़ के बाद कोतवाली क्षेत्र में एक मस्जिद के बाहर आई लव मुहम्मद के पोस्टर लिए भीड़ ने पुलिस के साथ मारपीट की थी। भीड़ कथित तौर पर स्थानीय मौलवी तौकीर रज़ा खान के एक प्रस्तावित एक विरोध प्रदर्शन को रद्द किए जाने से नाराज थी।

भीड़ प्रबंधन में कुछ तो गड़बड़ है तमिलनाडु भगदड़ के बाद शशि थरूर का सवाल, कहा- नेशनल पॉलिसी बनाने की मांग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। तमिलनाडु के करूर में अभिनेता और टीवीके नेता विजय की चुनावी रैली में हुए भयानक भगदड़ हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस घटना में अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 95 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने हादसे पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों तथा घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा की।

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने हादसे पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश में भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था में खामियां हैं। उन्होंने कहा, 'यह बेहद दुखद और दर्दनाक घटना है। हमारे देश में हर साल बड़े आयोजनों और रैलियों में इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। बेंगलुरु जैसी पिछली घटनाएं हमें याद आती हैं, जहां बच्चों की भी मौत हुई थी। यह बताता है कि भीड़ नियंत्रण के लिए व्यवस्थित और सख्त नियम बनाना कितना जरूरी है।'

शशि थरूर ने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की कि बड़ी भीड़ वाले कार्यक्रमों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की नीति बनाई जाए। उन्होंने कहा कि चाहे नेता, अभिनेता या खेल सितारे हों, उनके कार्यक्रमों में भीड़ की सुरक्षा के लिए नियम, मानक और प्रोटोकॉल तय किए जाएं। उनका मानना है कि इससे ऐसे भयानक हादसों में जानों के नुकसान को रोका जा सकता है।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये और घायलों को 1 लाख रुपये देने की घोषणा की है। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम राहत कोष से मृतकों को 2 लाख रुपये और घायलों को उचित मदद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इसके अलावा, अभिनेता विजय ने अपने स्तर पर मृतकों के परिवारों को 20-20 लाख रुपये और घायलों को 2 लाख रुपये देने की घोषणा की है। हादसे के बाद करूर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं और प्रशासन ने सभी संबंधित उपाय किए हैं

अमेरिका, रूस और ब्रिटेन जैसे देशों के समर्थन के बाद भी भारत को क्यों नहीं मिल रहा यूएनएससी में वीटो पावर?

वाशिंगटन। भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी अहम भूमिका को मजबूती से साबित किया है और दुनिया के कई देश अब यह मान रहे हैं कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का स्थायी सदस्य बनाया जाना चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति वार्ता के प्रयासों में भारत की सक्रिय भूमिका और वैश्विक शांति में योगदान को देखते हुए कई देशों ने इसका समर्थन किया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) यूएन का सबसे शक्तिशाली अंग है। इसका मुख्य काम विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना, युद्ध और संघर्ष को रोकना और अंतरराष्ट्रीय विवादों को हल करना है। जरूरत पड़ने पर यह प्रतिबंध या सैन्य कार्रवाई की अनुमति भी दे सकता है।

सुरक्षा परिषद में 15 सदस्य देश होते हैं। इनमें से 5 स्थायी सदस्य हैं - अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन। इन देशों को वीटो पावर दी गई है। इसके अलावा 10 अस्थायी सदस्य होते हैं, जिन्हें 2 साल के लिए चुना जाता है। भारत वर्तमान में अस्थायी सदस्य है।

यूएनएससी में बदलाव के लिए यूएन चार्टर में संशोधन आवश्यक है। आर्टिकल 108 के अनुसार, संशोधन तभी लागू होगा जब महासभा के दो-तिहाई सदस्य और सभी पी 5 स्थायी सदस्य इसे मंजूरी दें। किसी भी पी 5 सदस्य का विरोध प्रक्रिया को रोक सकता है। चीन स्थायी सदस्य के रूप में भारत की सदस्यता और वीटो पावर को लेकर सबसे बड़ा विरोधक है।

भारत का तर्क है कि यूएनएससी की वर्तमान संरचना (1945 की) आज की वास्तविकताओं को नहीं दर्शाती। भारत की जनसंख्या, अर्थव्यवस्था, वैश्विक शांति अभियानों में योगदान और वैश्विक भूमिका को देखते हुए उसे स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। भारत अब तक 8 बार अस्थायी सदस्य रह चुका है (1950-51, 1967-68, 1972-73, 1977-78, 1984-85, 1991-92, 2011-12, 2021-22) और लगातार स्थायी सदस्यता की मांग कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र का नया वार : ईरान पर लगाए कड़े परमाणु प्रतिबंध, हिला दी मुस्लिम देश की अर्थव्यवस्था

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रविवार तड़के उसपर फिर से प्रतिबंध लगा दिए, जिसके बाद पहले से ही मुश्किलों से जूझ रहे देश के लोगों की भविष्य को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र में अंतिम समय में कूटनीतिक प्रयास विफल होने के बाद रविवार को ईरान पर प्रतिबंध लागू हो गए। ईरान पर अब कई तरह की पाबंदियां लग जाएंगी जिनमें विदेश में संपत्तियों पर रोक लगना, हथियार सौदों पर प्रतिबंध और बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम आगे बढ़ाने पर जुर्माना लगाया जाना आदि शामिल है। ये प्रतिबंध ऐसे समय में लगाए गए हैं जब ईरान आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। ईरान की मुद्रा रियाल निम्न स्तर पर पहुंच गई है, खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं और दैनिक जीवन और चुनौतीपूर्ण हो गया है। सिना नामक व्यक्ति ने कहा कि देश ने कभी भी ऐसे चुनौतीपूर्ण समय का सामना नहीं किया है, यहां तक कि 1980 के दशक के ईरान-इराक युद्ध और उसके बाद दशकों तक प्रतिबंध लागू होने के दौरान भी नहीं। सिना ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा, " हम आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और हर साल हालात बदतर होते जा रहे हैं। हमारे सपने चकनाचूर हो रहे हैं।" तेहरान के एक किराने की दुकान पर सिमा तगहावी नामक महिला ने कहा, "हर दिन पनीर, दूध और मक्खन की कीमत बढ़ जाती है।"

जून में हुए युद्ध के बाद ही ईरान में खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ गईं थी जिससे

पहले से ही महंगा मांस गरीब परिवारों की पहुंच से बाहर हो गया। ईरान सरकार ने जून में कुल वार्षिक मुद्रास्फीति 34.5 प्रतिशत बताई वहीं सांख्यिकी केंद्र ने बताया कि इसी अवधि में आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतों में 50 प्रतिशत से ज़्यादा की वृद्धि हुई। बीन्स की कीमतें एक साल में तीन गुना बढ़ गईं, जबकि मक्खन लगभग दोगुना हो गया।

भारत को 'ठीक करना' है! अमेरिकी वाणिज्य सचिव Howard Lutnick की चेतावनी, बाजार खोलें वरना भुगतेंगे नतीजा

वांशिगटन। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर आलोचना तेज करते हुए कहा है कि भारत और ब्राजील जैसे देशों को अपने बाजार खोलकर और अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाने वाली नीतियों से बचकर अमेरिका के प्रति 'सही प्रतिक्रिया' देनी चाहिए।

न्यूजनेशन को दिए एक साक्षात्कार में लुटनिक ने स्पष्ट रूप से कहा, 'हमें कई देशों को ठीक करना है, जैसे स्विट्ज़रलैंड, ब्राजील और भारत। ये ऐसे देश हैं जिन्हें अमेरिका के प्रति सही प्रतिक्रिया देने की जरूरत है। उन्हें अपने बाजार खोलने होंगे और अमेरिका को नुकसान पहुंचाने वाले क़दम उठाने बंद करने होंगे।'

लुटनिक ने व्यापार नीतियों को बताया 'दिखावा'

लुटनिक की यह टिप्पणी भारत की व्यापार और ऊर्जा नीतियों की उनकी पिछली आलोचना को और आगे बढ़ाती है। कुछ ही दिन पहले, उन्होंने व्यापार वार्ताओं में भारत की आपत्ति को

'दिखावा' बताया था, जो डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए शुल्कों की प्रतिक्रिया में थी।

ब्लूमबर्ग से बात करते हुए, लुटनिक ने भविष्यवाणी की थी कि नई दिल्ली 'एक या दो महीने में' बातचीत की मेज पर वापस आ जाएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय व्यवसाय अंततः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर वाशिंगटन के साथ समझौता करने के लिए दबाव डालेंगे, क्योंकि 'दुनिया के सबसे बड़े ग्राहक से लड़ना अच्छा नहीं लगता।'

लुटनिक ने रूसी तेल खरीद पर नाराजगी जताई

अमेरिकी अधिकारी ने यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से भारत द्वारा रियायती दरों पर रूसी कच्चे तेल की बढ़ती खरीद की भी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस कदम को 'सरासर गलत' और 'हास्यास्पद' बताते हुए जोर दिया कि भारत को यह तय करना होगा कि वह किस पक्ष में रहना चाहता है।

लुटनिक ने व्यापार करने वाले देशों को याद दिलाया कि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'हमारी 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था ही दुनिया का उपभोक्ता है। इसलिए उन्हें ग्राहक के पास वापस आना होगा, क्योंकि हम सभी जानते हैं कि ग्राहक हमेशा सही होता है।'

पीओके में हालात विस्फोटक

पाकिस्तान के खिलाफ होने वाला कुछ बड़ा!

एक्शन कमेटी के ऐलान ने बढ़ाई सरकार की टेंशन

पेशावर। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हालात तेजी से बिगड़ते दिख रहे हैं। नीलम वैली पब्लिक एक्शन कमेटी ने बड़ा ऐलान करते हुए पूरे क्षेत्र में शटडाउन और हड़ताल की घोषणा कर दी है। यह कदम स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और स्वच्छ पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की वर्षों से हो रही अनदेखी और सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ उठाया गया है।

कमेटी के नेता शौकत नवाज़ मीर ने कहा-'लोगों का सब्र अब आखिरी हद पर है। यह बंद हमारी मजबूरी नहीं, बल्कि लापरवाह हुकूमत के खिलाफ सीधा प्रतिकार है।'प्रदर्शन के ऐलान से घबराए स्थानीय प्रशासन ने हड़ताल को रोकने के लिए बल प्रयोग की धमकी दी है। लेकिन यह चेतावनी जनता के गुस्से को और भड़का रही है। स्थानीय वकीलों ने कमेटी को खुला समर्थन देते हुए कहा कि यह हड़ताल लोगों का लोकतांत्रिक हक है। एक वरिष्ठ वकील ने चेतावनी दी-'लोगों की जायज़ मांगों को कुचलने की कोशिश आग से खेलने जैसी होगी।'सूत्रों के मुताबिक, हड़ताल के चलते बाजार, दुकानें और परिवहन सेवाएं पूरी तरह से ठप हो सकते हैं। नागरिक समाज का मानना है कि यदि सरकार दमन की राह पर चली, तो हालात और बिगड़ेंगे।

विश्लेषकों का मानना है कि यह सिर्फ हड़ताल नहीं, बल्कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में गहराती नाराज़गी का बड़ा संकेत है। आने वाले दिनों में हालात और विस्फोटक हो सकते हैं। बीबीसी, अल-जज़ीरा और कुछ भारतीय मीडिया संस्थानों ने रिपोर्ट किया कि पीओके में जनता का सब्र टूट चुका है। भ्रष्टाचार, संसाधनों की लूट और बुनियादी सुविधाओं की कमी ने प्रशासन और जनता के बीच टकराव को चरम पर पहुंचा दिया है।स्थानीय प्रशासन ने जहां बल प्रयोग की धमकी दी है, वहीं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि दमन से हालात और बिगड़ेंगे। एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसे संगठनों की नजर इस आंदोलन पर टिकी है। भारत में सुरक्षा विश्लेषक मानते हैं कि यह आंदोलन पाकिस्तान की कमजोर पकड़ को उजागर करता है।

रूस का गुस्सा आसमान परः यूक्रेन पर बरसाए 595 ड्रोन और 48 मिसाइलें!

4 लोगों की मौत व 67 घायल, पोलैंड में एयर स्पेस बंद

मॉस्को। यूक्रेन का आंतकवाद से कनैक्शन सामने आने पर रूस का गुस्सा सातवें आसमान पर है।

रूस ने शनिवार रात से रविवार सुबह तक यूक्रेन पर 595 ड्रोन और 48 मिसाइलों से हमले किए। इन हमलों में राजधानी कीव समेत कई क्षेत्रों में चार लोगों की मौत और 67 लोग घायल हुए। मृतकों में एक 12 वर्षीय बच्ची भी शामिल है। अधिकारियों के अनुसार, हमले का सबसे बड़ा प्रभाव कीव पर पड़ा, जो पिछले महीने हवाई हमले के बाद सबसे गंभीर हमला था।

यूक्रेनी सेना ने दावा किया कि उन्होंने 568 ड्रोन और 43 मिसाइलें मार गिराईं। हमले का प्रमुख लक्ष्य राजधानी कीव था। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने इलाकों को टारगेट करने से इंकार किया।अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया:पोलैंड ने अपने दो दक्षिण-पूर्वी शहरों का एयरस्पेस बंद कर दिया और खतरा टलने तक जेट विमान तैनात किए।

राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अब निर्णायक कार्रवाई का समय आ गया है। उन्होंने अमेरिका, यूरोप, जी7 और जी20 से मजबूत प्रतिक्रिया और यूक्रेन की वायु रक्षा को मजबूत करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मदद मांगी। यह हमला अगस्त महीने हुए हवाई हमलों के बाद सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। रूस ने लगातार यूक्रेन पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं, जिनमें हजारों लोग मारे गए और कई नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुँची।

लंबी दूरी के हवाई, समुद्री हथियारों और ड्रोन का इस्तेमाल किया।हवाई हमलों का उद्देश्य सैन्य ठिकानों और हवाई अड्डों को निशाना बनाना था। मॉस्को ने नागरिक

एपस्टीन फाइलों में एलन मस्क का नाम, क्या सच में एलन मस्क गए थे अरबपति?

वांशिगटन।जेफरी एपस्टीन, जो 2014 में गंभीर यौन अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया था, से अपना नाम जोड़े जाने पर एलन मस्क भड़क गए हैं। मस्क ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया है कि वह एपस्टीन के निजी द्वीप पर गए थे।

मस्क ने मीडिया संस्थानों के दावों का खंडन करते हुए कहा, 'जो कोई भी इस झूठे दावे को आगे बढ़ा रहा है, वह पूरी तरह से तिरस्कार का पात्र है।' उन्होंने ट्वीट किया कि स्काई न्यूज को इस 'बेहद भ्रामक शीर्षक के लिए शर्म आनी चाहिए।'

मस्क ने दी सफाई

अपना पक्ष साफ करते हुए मस्क ने दावा किया कि उन्होंने एपस्टीन के निजी द्वीप पर जाने का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मीडिया प्रिंस एंड्रयू, जो वास्तव में वहां गए थे, से पहले उनका नाम ले रहा है।

मस्क ने शनिवार को 'डेमोक्रेटिक पार्टी और उनके मीडिया सहयोगियों' पर निशाना साधते हुए दावा किया कि वे उन्हें 'खतरे' के रूप में देखते हैं और इसीलिए उन्हें निशाना बना रहे हैं।

उन्होंने ट्वीट किया, 'डेमोक्रेटिक पार्टी और उनके मीडिया सहयोगी एलन को एक खतरे के रूप में देखते हैं क्योंकि वह भ्रष्टाचार को उजागर करते हैं, उनके तर्क को चुनौती देते हैं, और लोगों को एक्स के माध्यम से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देते हैं।'

नए दस्तावेजों में मस्क की यात्रा का संकेत

मस्क की यह प्रतिक्रिया जेफरी एपस्टीन की संपत्ति से हजारों दस्तावेजों के जारी होने के कुछ घंटों बाद आई। इन दस्तावेजों में एपस्टीन के लेन-देन, उड़ान लॉग, वित्तीय रिकॉर्ड और फोन संदेश शामिल हैं।

जारी की गई सामग्री में एक यात्रा कार्यक्रम भी शामिल है जो दिसंबर 2014 में मस्क द्वारा अमेरिका के वर्जिन द्वीप समूह स्थित एपस्टीन की निजी संपत्ति की संभावित यात्रा का संकेत देता है।

नए दस्तावेजों किन हस्तियों का उल्लेख है?

नए खुलासे हुए रिकॉर्ड में अमेरिकी उद्यमी पीटर थिएल और व्हाइट हाउस के पूर्व मुख्य रणनीतिकार स्टीव बैनन सहित अन्य प्रमुख हस्तियों का भी उल्लेख है।

इस बीच, समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने कहा कि ये फाइलें शक्तिशाली हलकों में एपस्टीन के निरंतर प्रभाव को उजागर करती हैं। समिति की प्रवक्ता सारा गुएरेरो ने कहा, 'यह हर अमेरिकी के लिए स्पष्ट होना चाहिए कि जेफरी एपस्टीन दुनिया के कुछ सबसे शक्तिशाली और धनी व्यक्तियों के मित्र थे।'

हालांकि, समिति के रिपब्लिकन सदस्यों ने एकतरफा जानकारी जारी करने के लिए डेमोक्रेट्स की आलोचना की और इस कदम को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि डेमोक्रेटिक अधिकारियों से जुड़ी कुछ फाइलें रोक ली गई थीं।

गौरतलब है कि मस्क ने पहले भी एपस्टीन फाइलों को लेकर सवाल उठाए थे। जुलाई में, उन्होंने पूछा था, 'अगर ट्रंप एपस्टीन की फाइलें जारी नहीं करेंगे, तो लोग उन पर भरोसा कैसे कर सकते हैं?'

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)